Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 26 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, शुक्रवार 05 जुलाई 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

मांस निर्यात पर प्रतिबंध हो तो भारत में अहिंसा का सबसे महान कार्य होगा।

It will be a great achievement of nonviolence if meat export is banned in india.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

दिगंबर जैन गणाचार्य विराग सागर जी महाराज का समाधिपूर्वक देवलोक गमन

जालना (महाराष्ट्र) में हुई अंतेष्ठी, हजारों श्रद्धालु जनों ने दी अश्रुपूर्ण विदाई

जैन जगत शोक निमग्न-विनयांजलियों का लगा तांता

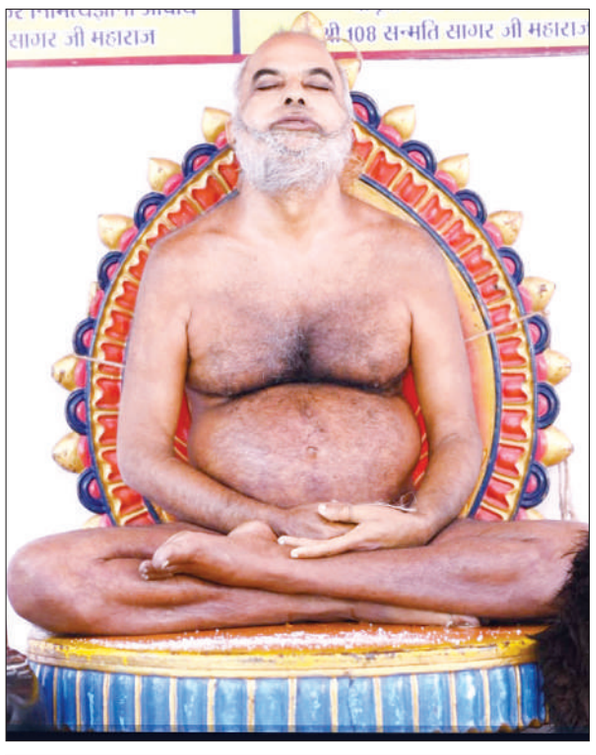

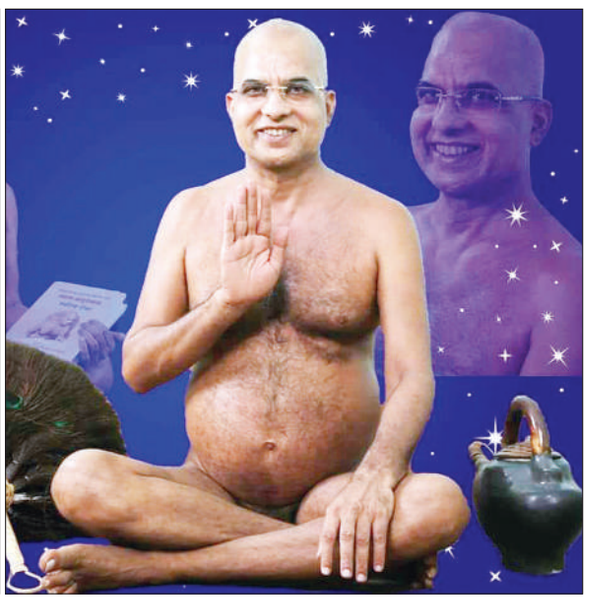

आचार्य विराग सागर जी महाराज का जीवन परिचय

विराग सगर जी का जन्म 2 मई, 1963 को पथरिया जिला दमोह (म.प्र) मे हुआ था। उनके पिता का नाम श्री कपूरचंद जी (समाधिस्थ क्षुल्लक श्री विश्ववन्ध सागर जी) व माता का नाम श्रीमती श्यामा देवी (समाधिस्थ श्री विशांत श्री माता जी) है। श्री जैन ने बताया कि आचार्य श्री 108 सन्मति सागर जी महाराज द्वारा क्षुल्लक दीक्षा 2 फरवरी 1980 ग्राम बुढार, एवं आचार्य श्री 108 विमलसागर जी महाराज द्वारा मुनि दीक्षा 9 दिसंबर 1983 एवमं आचार्य पद 8 नवम्बर 1992 सिद्ध क्षेत्र द्रोणगिरी जिला, छतरपुर) प्राप्त किया।

आचार्य विशुद्ध सागर बने नवाचार्य : आचार्य विराग सागरजी महाराज ने अपने परम प्रभावक शिष्य आचार्य विशुद्धसागर जी महाराज को नवाचार्य पद की समाधिपूर्व घोषणा की।

जालना महाराष्ट्र (विश्व परिवार)। जैन जगत के दैदीप्यमान सूर्य बुंदेलखंड के प्रथम दिगंबर आचार्य, सैकड़ो की संख्या में जिन दीक्षा प्रदाता गणाचार्य श्री 108 विराग सागर जी महामुनिराज का गत रात्रि 2.30 बजे समाधिमरण हो गया। देशभर की जैन समाज के मध्य रात्रि को 3:00 बजे जैसे ही यह समाचार प्रसारित हुआ सर्वत्र शोक की लहर छा गई।

उल्लेखनीय है कि आचार्य श्री का कुछ माह पूर्व ही महाराष्ट्र के हिंगणघाट में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का कार्यक्रम सानंद संपन्न कराकर ससंघ जालना की ओर बिहार कर रहे थे कि गत 2 दिन पूर्व उन्हें हृदय में से संबंधित परेशानी का अनुभव हुआ। जालना स्थित चिकित्सकों ने उन्हें देखा एवं अपनी सलाह दी वे अपने जैन धर्म पर अडिग रहे और अपनी चर्या में किसी भी तरह का

शिथिलता को अस्वीकार कर दिया। कल रात्रि अचानक 2:30 बजे उन्होंने शांत भाव के साथ समाधि मरण कर उच्च गति में अपना स्थान प्राप्त किया।

जैसे ही यह समाचार देश भर में फैला सभी आचार्यगण, साधु जन, आर्यिका माता जी ने अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त कर आचार्य भगवन को अपनी विनयांजलि अर्पित की। विभिन्न राजनेताओं, समाजसेवियों, गणमान्य नागरिकों ने भी अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त कर आचार्य विराग सागर जी महाराज द्वारा जैन समाज की सेवाओं का उल्लेख कर उन्हे देश का महान संत बताया। आज उनकी अंतिम डोला यात्रा मे संघस्थ साधु, माता जी सहित हजारों की संख्या मे श्रावक श्राविकाओं ने प्रतिभाग किया।

आचार्य श्री ने युग प्रतिक्रमण के कार्यक्रम की शुरुआत की। यह युग प्रतिक्रमण प्राचीन काल में आचार्य भगवंतो द्वारा किया जाता रहा था। उन्होंने जयपुर उसके बाद झांसी एवम विरागोदय पथरिया में युग प्रतिक्रमण के विशाल कार्यक्रम आयोजित कराए। विशाल कार्यक्रमों में आचार्य श्री के संघस्थ सभी आचार्य साधु आर्यका माताजी छुल्लक जी एवं भैया जी सहित हजारों श्रद्धालु सम्मिलित हुए। इन आयोजनों से जैन धर्म की बड़ी भारी प्रभावना पूरे देश भर में हुई।

आचार्य भगवान के प्रेरणा से उनके जन्म स्थल ग्राम पथरिया के निकट विशाल विरागोदय तीर्थ का निर्माण कार्य पूर्ण हुआ एवं विगत वर्ष वहां पर विशाल पंचकल्याणक महा महोत्सव के साथ त्रिकाल चौबीसी की प्रतिष्ठा हुई। इस क्षेत्र पर खड़गासन में विशाल जिनेंद्र बिम्ब मूल नायक भगवान धर्मनाथ जी विराजमान है। यह विशाल क्षेत्र मुख्य सड़क मार्ग एवं रेल मार्ग के पास अवस्थित है जहां से निकलने वाले सभी यात्रियों को इस क्षेत्र के भव्य दर्शन होते हैं। विरागोदय क्षेत्र अपने आप में एक विशाल है जहां की एक साथ सैकड़ो साधु संतों आदि के विश्राम एवं आहार व्यवस्था नियमित रूप से संचालित है। आचार्य भगवान द्वारा यहां इस क्षेत्र पर यात्रियों की सुविधा के लिए दो विशाल धर्मशालाएं साथ ही 20 एसी कमरों से युक्त गुरु कृपा भवन निर्मित है। जहां की यात्रियों के ठहरने के लिए सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पूज्य गणाचार्य श्री विरागसागर जी महाराज की समाधि पर श्रद्धासुमन अर्पित किए : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने महाराष्ट्र के जालना में पूज्य गणाचार्य 108 श्री विरागसागर जी महाराज की समाधि पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गणाचार्य श्री विरागसागर जी का जन्म मध्य प्रदेश के दमोह जिले के पथरिया में हुआ था। गणाचार्य विराग सागर जी की समाधि पूरे देश के जैन समाज के साथ-साथ मध्य प्रदेश के लोगों के लिए गहरा आघात है। संतों और मुनियों की शिक्षाएं समाज के लिए हमेशा उपयोगी होती हैं। दिगंबर महामुनि संघ नायक, बुंदेलखंड के प्रथम जैन गणाचार्य श्री 108 आचार्य श्री विराग सागर जी महाराज समाधिस्थ हो गए हैं। विराग सागर जी महाराज के मंगलमय विचार और लोकहितकारी जीवन सर्वदा मानवता के कल्याण के दिव्य प्रकाश पुंज को देदीप्यमान रखेंगे। विनम्र श्रद्धांजलि!

-प्रदीप जैन, सजल जैन पथरिया

दूसरे सप्ताह भी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के जनदर्शन में उमड़ा जनसैलाब, त्वरित कार्यवाही से जनता खुश

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निवास कार्यालय में आज दूसरे सप्ताह के जनदर्शन कार्यक्रम में नागरिकों में जबरदस्त उत्साह रहा। मुख्यमंत्री श्री साय से मुलाकात करने और अपने आग्रह-अनुरोध उन्हें प्रत्यक्ष सौंपने के लिए प्रदेशभर से बड़ी संख्या में लोग आए। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने श्रमवीरों के मेधावी बच्चों को दो-दो लाख रूपए के चेक भी प्रदान किए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अपने निवास कार्यालय परिसर में अपनी मां के नाम दहीमन का पौधा लगाया। जनदर्शन स्थल के पास स्वास्थ्य परीक्षण शिविर भी लगाया गया था, जिसका नागरिकों ने लाभ उठाया। आज के कार्यक्रम में अनेक ऐसे लोग मुख्यमंत्री को धन्यवाद कहने आए थे, जो पिछले जनदर्शन में आए थे और उनके आवेदनों का निराकरण भी हो गया था।

आज आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने नोनी-बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना के अंतर्गत 13 बच्चों को दो-दो लाख रूपए के चेक दिए गए। इसमें से एक लाख रूपए

- आग्रह-अनुरोध लेकर प्रदेशभर से बड़ी संख्या में पहुंचे थे लोग
- मेधावी बच्चों को प्रोत्साहन राशि और स्कूटी के लिए 26 लाख रूपए

प्रोत्साहन के रूप में और एक लाख रूपए स्कूटी खरीदने के लिए दिए गए। पंजीकृत निर्माणी श्रमिक परिवारों के पुरस्कृत बच्चों ने दसवीं और बारहवीं में 2023-24 के टॉप-10 सूची में स्थान बनाया है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने अपनी मां के नाम दहीमन का, जो पौधा लगाया है, वह औषधीय गुणों से युक्त है। यह पौधा सरगुजा अंचल में पाया जाता है। मुख्यमंत्री ने लोगों से भी मां के नाम अपने-अपने निवास या गांव में पौधा लगाने की अपील की। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में लोगों से एक पेड़ मां के नाम लगाने की अपील की थी। इस बार के जनदर्शन में बड़ी संख्या में ऐसे भी लोग शामिल हुए, जो पिछले बार के जनदर्शन में भी आए थे, तब उनके आवेदनों का निराकरण मुख्यमंत्री के निर्देश पर तत्काल कर दिया गया था। इन लोगों ने त्वरित कार्यवाही के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। इनमें दिव्यांग भी शामिल थे, जिन्हें श्री साय के निर्देश पर ट्रायसाइकिल और अन्य सहायक उपकरण तत्काल उपलब्ध कराए गए थे। स्वास्थ्य शिविर में लोगों ने अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया। खून जांच, बीपी की जांच, शुगर और अन्य आम बीमारियों की जांच की सुविधा शिविर में उपलब्ध कराई गई थी। कार्यक्रम की शुरूआत में मुख्यमंत्री ने स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचार सदियों तक लोगों को प्रेरित करते रहेंगे। -शेष पेज 5 पर

नीति आयोग 'संपूर्णता अभियान' आरंभ करेगा

दिल्ली (विश्व परिवार)। नीति आयोग 4 जुलाई से 30 सितंबर 2024 तक 3 महीने का %संपूर्णता अभियान% आरंभ कर रहा है, जिसका उद्देश्य देश भर के आकांक्षी जिलों में 6 प्रमुख संकेतकों और आकांक्षी ब्लॉकों में 6 प्रमुख संकेतकों की परिपूर्णता अर्जित करने के लिए निरंतर प्रयास करना है। संपूर्णता अभियान का उद्देश्य आकांक्षी जिला कार्यक्रम और आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के तहत 112 आकांक्षी जिलों और 500 आकांक्षी ब्लॉकों में चिन्हित 6 संकेतकों में से प्रत्येक में परिपूर्णता हासिल करना है।

'संपूर्णता अभियान' सभी आकांक्षी ब्लॉकों में निम्नलिखित 6 चिन्हित केपीआई पर ध्यान केंद्रित करेगा- पहली त्रैमासिक अवधि के दौरान प्रसवपूर्व देखभाल (एएनसी) के लिए पंजीकृत गर्भवती महिलाओं का प्रतिशत। ब्लॉक में लक्षित जनसंख्या के मुकाबले मधुमेह की जांच कराने वाले व्यक्तियों का प्रतिशत। ब्लॉक में लक्षित जनसंख्या के मुकाबले उच्च रक्तचाप के लिए जांचे गए व्यक्तियों का प्रतिशत। आईसीडीएस कार्यक्रम के अंतर्गत नियमित रूप से पूरक पोषण लेने वाली गर्भवती महिलाओं का प्रतिशत। मृदा नमूना संग्रहण लक्ष्य के मुकाबले

4 जुलाई से 30 सितंबर 2024 तक चलने वाले इस अभियान का उद्देश्य एडीपी/एबीपी जिलों और ब्लॉकों में 6 चिन्हित संकेतकों में परिपूर्णता हासिल करना है

सृजित मृदा स्वास्थ्य कार्डों का प्रतिशत। ब्लॉक में कुल स्वयं सहायता समूहों के मुकाबले रिवाल्विंग फंड प्राप्त करने वाले स्वयं सहायता समूहों का प्रतिशत।

सम्पूर्णता अभियान के अंतर्गत आकांक्षी जिलों में चिन्हित 6 केपीआई इस प्रकार हैं- पहली त्रैमासिक अवधि के दौरान प्रसवपूर्व देखभाल (एएनसी) के लिए पंजीकृत गर्भवती महिलाओं का प्रतिशत। आईसीडीएस कार्यक्रम के अंतर्गत नियमित रूप से पूरक पोषण लेने वाली गर्भवती महिलाओं का प्रतिशत। पूर्णत: प्रतिरक्षित बच्चों का प्रतिशत (9-11 माह) (बीसीजी+डीपीटी3+ओपीवी3+खसरा 1)। वितरित मृदा स्वास्थ्य कार्डों की संख्या। माध्यमिक स्तर पर कार्यात्मक विद्युत सुविधा वाले विद्यालयों का प्रतिशत। शैक्षणिक सत्र शुरू होने के एक महीने के भीतर बच्चों को पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध कराने वाले स्कूलों का प्रतिशत। नीति आयोग उन कार्यकलापों की सूची उपलब्ध करा रहा है जिन्हें जिले और ब्लॉक संपूर्णता अभियान के शुभारंभ के हिस्से के रूप में आयोजित कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, ब्लॉक और जिलों को अभियान की गति बनाए रखने और निरंतर भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए नियमित रूप से लोक संपर्क गतिविधियाँ आयोजित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

इस प्रयास को सफल बनाने तथा जमीनी स्तर पर ठोस प्रभाव डालने के लिए- जिले/ब्लॉक छह संकेतकों को पूर्ण करने के लिए 3 महीने की कार्य योजना विकसित करेंगे। जिले/ब्लॉक प्रत्येक माह परिपूर्णता पर हुई प्रगति को ट्रैक करेंगे। जागरूकता और व्यवहार परिवर्तन अभियान लागू करना। जिला अधिकारी समवर्ती निगरानी प्रक्षेत्र का दौरा करेंगे। नीति आयोग, संबंधित केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों के साथ-साथ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों के साथ मिलकर इन जिलों और ब्लॉकों के प्रभावी और तेज़ विकास को सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करेगा।

संक्षिप्त समाचार

पास्ट चैम्पियन एथलीट हेतु आवेदन अब 12 तक

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। भारत सरकार के खेलो इंडिया योजना अंतर्गत कसडोल में संचालित जिला फुटबाल प्रशिक्षण केंद्र हेतु पास्ट चौम्पियन एथलीट (महिला या पुरुष) एक पद की नियुक्ति हेतु आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ाई गई है। अब 12 जुलाई 2024 को संध्या 5:30 बजे तक कार्यालय वरिष्ठ खेल अधिकारी जिला बलौदाबाजार- भाटापारा मे आवेदन जमा किया जा सकता है। पास्ट चैम्पियन एथलीट नियुक्ति के लिए निर्धारित योयता मे पहली प्राथमिकता सम्बंधित खेल के मान्यता प्राप्त एनएसएफ या एसोसिएशन के तहत मान्यता प्राप्त अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता मे भारत का प्रतिनिधित्व किया हो। दूसरी प्राथमिकता मान्यता प्राप्त एनएसएफ द्वारा आयोजित सीनियर नेशनल पास्ट चैम्पियनशिप मे पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा या खेलो इंडिया गेम्स मे पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा हो ।तीसरी प्राथमिकता राष्ट्रीय एआईयू पिछली चैम्पियनशिप मे पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा हो तथा चौथी प्राथमिकता मान्यता प्राप्त एनएसएफ द्वारा आयोजित सीनियर नेशनल विगत चैम्पियनशिप मे राज्य का प्रतिनिधित्व या खेलो इंडिया गेम्स मे भागीदारी को दी जाएगी। इसके अतिरिक्त एनआईएस को भी मान्य किया जायेगा। अभ्यर्थियों को साक्षात्कार तिथि की सूचना पृथक से दी जाएगी। आवेदन पत्र जिला कार्यालय से या वेब साईट balodabazar.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।

छत्तीसगढ़ चेंबर ने पत्र प्रेषित कर चीफ कमिश्नर, सेंट्रल जीएसटी भोपाल सी.पी. गोयल को ई-वे बिल से संबंधित पूर्व अधिसूचना को यथावत रखने किया निवेदन

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तमचंद गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी,विक्रम सिंहदेव, राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि आज चेंबर द्वारा पत्र प्रेषित कर चीफ कमिश्नर, सेंट्रल जीएसटी (भोपाल) श्री सी. पी. गोयल जी को ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के तहत ई-वे बिल से संबंधित पूर्व अधिसूचना को यथावत रखने पत्र प्रेषित किया गया। चेंबर प्रदेश अध्यक्ष श्री अमर परवानी जी ने बताया कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के तहत ई-वे बिल से संबंधित पूर्व अधिसूचना को यथावत रखने चेंबर ने पत्र के माध्यम से चीफ कमिश्नर, सेंट्रल जीएसटी (भोपाल) श्री सी. पी. गोयल जी को ई-वे बिल की संख्या एवं अनुपालन से संबंधित बढ़ती जटिलताओं की जानकारी दी। चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष श्री पारवानी ने आगे बताया कि इस संबंध में राज्य जीएसटी आयुक्त एवं सेन्ट्रल जीएसटी आयुक्त को भी अधिसूचना पर पुन: विचार करने हेतु पत्र प्रेषित किया जा चुका है। वर्तमान में प्राप्त छूट हटने के कारण प्रतिदिन ई-वे बिल की संख्या में वृद्धि हो रही है। जिसके कारण जीएसटी विभाग पर अतिरिक्त कार्यभार बढ़ेगा साथ ही साथ इज ऑफ डूइंग बिजनेस के उदेश्य को क्षति भी हो रही है।

विधायक चित्रकोट विनायक गोयल ने किया 24वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के सुब्रतो मुखर्जी कप फुटबॉल स्पर्धा का शुभारंभ

खिलाड़ी प्रतिभा का श्रेष्ठतम प्रदर्शन कर बनाएं अपनी पहचान : विधायक

जगदलपुर (विश्व परिवार)। किसी भी प्रतियोगिता में जीत-हार अवश्यंभावी है लेकिन खिलाड़ी का अपनी प्रतिभा का श्रेष्ठतम प्रदर्शन उसकी क्षमता को साबित करने सहित पहचान दिलाता है। यह बात विधायक चित्रकोट श्री विनायक गोयल ने स्थानीय श्यामाप्रसाद मुखर्जी टाउन हॉल में 24 वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के अंतर्गत सुब्रतो मुखर्जी कप फुटबॉल स्पर्धा के शुभारंभ अवसर पर खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और गणमान्य नागरिकों को मुख्य आतिथ्य की आसंदी से सम्बोधित करते हुए कही। उन्होंने अपने क्षेत्र के लामड़ागुड़ा निवासी राज्य स्तर पर पुरस्कृत खिलाड़ी एवं प्रशिक्षक बालमती यादव की प्रतिभा की सराहना कर अन्य खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया। वहीं सुब्रतो मुखर्जी कप फुटबॉल स्पर्धा में सम्मिलित होने वाले सभी खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को सुप्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात का भ्रमण करवाने की बात कही।

इस अवसर पर विधायक श्री विनायक गोयल ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा प्रदान करने सहित खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए हरसंभव पहल कर रही है। इस दिशा में खेल सुविधाओं के विस्तार सहित खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ बेहतर प्रदर्शन कर राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धि हासिल करने की शुभकामनाएं दी। इस दौरान कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप ने खिलाड़ियों को अनुशासन के साथ प्रतिभा प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दी और कहा कि खेलकूद से व्यक्तित्व निर्माण होता है और सकारात्मक ऊर्जा के साथ शारीरिक, बौद्धिक एवं मानसिक विकास को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने खिलाड़ियों को स्पर्धा में अच्छा प्रदर्शन कर अपने क्षेत्र का नाम रौशन करने की समझाइश दी। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए महापौर श्रीमती सफीरा साहू ने भी खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। वहीं जिला शिक्षा अधिकारी श्री बलीराम बघेल ने स्वागत उद्बोधन में बताया कि इस सुब्रतो कप फुटबॉल स्पर्धा में प्रदेश के 05 जोन दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर, सरगुजा और बस्तर के 250 से अधिक खिलाड़ी छात्र-छात्राएं और खेल अधिकारी एवं प्रशिक्षक सम्मिलित हो रहे हैं। जिसमें बालक वर्ग में 15 एवं 17 वर्ष तथा बालिका वर्ग में 17 वर्ष आयु के खिलाड़ी शामिल हैं। इस दौरान खिलाड़ी छात्रा जिया मानिकपुरी ने सभी खिलाड़ियों को नियमों का पालन कर अनुशासन के साथ स्पर्धा में सहभागिता निभाने की शपथ दिलाई। इस मौके पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में खेल प्रेमी गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

साहित्यिक व सांस्कृतिक संस्था ऋचा की जून माह की गोष्ठी वृंदावन हॉल में सम्पन्न

रायपुर (विश्व परिवार)। साहित्यिक व सांस्कृतिक संस्था ऋचा की जून माह की गोष्ठी वृंदावन हॉल में ब्रिगेडियर प्रदीप यदु मंजु यदु द्वय द्वारा आयोजित की गई। यह गोष्ठी मासिक गोष्ठी के साथ एक खास शख्सियत की जन्म जयंती के रूप में आयोजित की गई। ऋचा की संस्थापिका स्व शांति यदु माँ का जन्मदिन 30 जून को होता है। ऋचा नामक छोटा सा पौधा शांति यदु ने बोया था, उनके पुत्र व पुत्रवधु तथा पुत्री ने मिलकर इसे सिंचित किया ऋचा के तमाम सदस्यों की देखरेख में यह पुष्पित पल्लवित होकर आज विशाल वटवृक्ष का रूप ले लिया है। यकीनन माँ शांति यदु का आशीष अपरोक्ष रूप से संस्था और परिवार पर बना है। सचिव नीता श्रीवास्तव ने संरक्षक ब्रिगेडियर प्रदीप यदु, मंजु यदु, अध्यक्षा डॉ मंजुलाहर्ष श्रीवास्तव कार्यक्रम अध्यक्ष के पी सक्सेना दूसरे के हाथों माँ वीणापाणि के समक्ष दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की, सरस्वती वंदना की सुमधुर प्रस्तुति दी सरोज दुबे विधा ने। मासिक प्रतिवेदन का पठन किया मीना शर्मा ने। एक प्यारी परंपरा पर सहमति बनी कि हर माह संस्था के जितने भी सदस्यों का जन्मदिन आयेगा उस माह की गोष्ठी में मनाया जायेगा, इसी कड़ी में इस माह प्रज्ञा त्रिवेदी को बुके देकर शुभकामनायें प्रेषित की गई।

एक पेड़ मां के नाम सभी से पेड़ लगाने की अपील : डॉ. पुरुषोत्तम चंद्राकर

रायपुर (विश्व परिवार)। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा देशवासियों से एक पेड़ मां के नाम लगाने के आह्वान पर आज नालंदा लाइब्रेरी परिसर, जी ई रोड रायपुर में ग्रीन आर्मी ऑफ रायपुर के प्रकृति प्रेमियों द्वारा वृक्षारोपण का आयोजन किया गया।

मां के नाम एक पेड़ वृक्षारोपण कार्यक्रम में सेंट्रल कोर कमेटी के डॉ. पुरुषोत्तम चंद्राकर, नालंदा परिसर रायपुर के श्रीमती मंजुला जैन, जिला रोजगार कार्यालय के अधिकारी केदार पटेल, ग्रीन आर्मी के चेयरमैन गुरदीप टुटेजा, चेतन पटेल, श्रीमती दुर्गा जैन, अर्पित अग्रवाल, सुखदेव भमरा, पवन सरवैया, आशीष तिवारी, विनीत शर्मा, लक्ष्मी, ने विशेष रूप से उपस्थित होकर एक पेड़ मां के नाम अभियान के माध्यम से 50 पेड़ जिसमें नीम, बरगद, पीपल, आम, आंवला, बेल, गुलमोहर आदि पेड़ लगाए।

इस अवसर पर डॉक्टर पुरुषोत्तम चंद्राकर ने कहा कि हर व्यक्ति को एक-एक पौधा अपने मां के नाम से लगाना चाहिए जिससे धरती माता एवं पर्यावरण शुद्ध होगा आने वाली पीढ़ी के लिए यह जरूरी कार्य है जिससे वातावरण शुद्ध होगा प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह एक पेड़ जरूर लगाए इससे हमारा पर्यावरण स्वच्छ और सुंदर बना रहेगा आज हम पेड़ लगाएंगे तो उसका लाभ वर्तमान के साथ-साथ भविष्य में भी मिलेगा।

डॉ.पुरुषोत्तम चंद्राकर ने कहा कि हमें ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण सभी स्कूलों हॉस्पिटलों एवं आंगनबाड़ीयों में अभियान चलाकर वृहद वृक्षारोपण करने का आह्वान करते हुए स्कूली बच्चों, कॉलेज छात्र-छात्राओं एवं आम जनता पर्यावरण संरक्षण के लिए एक पेड़ अपनी मां के नाम जरूर लगाए, हम पेड़ लगाकर एक समृद्ध वातावरण विकसित कर सकते हैं जो हमारे जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाएगा और आने वाले वर्षों के लिए हमारी प्राकृतिक विरासत को सुरक्षित करेगा।

स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गिधपुरी और दामाखेड़ा को मिला राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक हेतु प्रमाण पत्र

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। बलौदाबाजार भाटापारा जिला स्वास्थ्य सेवाओं के मामले में नित नए प्रगति के सोपान तय कर रहा है। इसी कड़ी में जिले के पलारी ब्लॉक के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गिधपुरी और सिमगा के दामाखेड़ा को गुणवत्ता पूर्ण सुदृढ़ स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एम पी महिस्वर के अनुसार राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण पत्र (एन क्यू ए एस) उच्च गुणवत्ता की स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने हेतु राष्ट्रीय स्तर से दिया जाता है। इसमें जिला, राज्य और राष्ट्रीय इन तीन स्तरों पर मूल्यांकन होता है। अंतिम मूल्यांकन हेतु अन्य प्रदेश से निरीक्षण टीम आती है। 70 प्रतिशत से अधिक के स्कोर पर ही स्वास्थ्य संस्था को यह प्रमाण पत्र मिलता है।मूल्यांकन में गिधपुरी को 81.29 तथा दामाखेड़ा को 88.77 प्रतिशत अंक मिले हैं।

मूल्यांकन में आठ बिंदु मुख्य होते हैं-सुविधा उपलब्धता, मरीज के अधिकार, इनपुट, सपोर्ट सर्विस, क्लीनिकल सर्विस, संक्रमण रोक, गुणवत्ता प्रबंधन और परिणाम। सीएमएचओ के अनुसार तैयारी हेतु सिमगा और पलारी के खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ पारस पटेल और डॉ बी एस ध्रुव को मार्गदर्शन की जिम्मेदारी दी गई थी। उनकी देखरेख में उक्त स्वास्थ्य केंद्रों के समस्त स्टाफ के सामूहिक प्रयास और मेहनत से यह उपलब्धि हासिल हो पाई है। इस प्रकार जिले में अब कुल 12 स्वास्थ केंद्र हैं जो यह गुणवत्ता प्रमाण पत्र प्राप्त कर चुके हैं। इन दो संस्थाओं से पूर्व कटगी, बरपाली, हथबंद, जर्वे, मोपका जबकि आयुष्मान आरोग्य मंदिर ससहा, जारा, बया, देवपुर, रामपुर को यह प्रमाण पत्र प्राप्त हो चुका है। जिला कार्यक्रम प्रबंधक सृष्टि मिश्रा के अनुसार जिले में इस वर्ष 45 और अन्य स्वास्थ्य केंद्र हैं जो एन क्यू ए एस प्रमाण पत्र हेतु प्रयासरत हैं एवं उन्हें तैयारी हेतु जिले से प्रशिक्षित कर टीम बनाकर सहयोग दिया जा रहा है। आशा है गुणवत्तापूर्ण सेवाओं हेतु उक्त संस्थाओं द्वारा अच्छा प्रदर्शन कर प्रमाण पत्र हासिल किया जायेगा।

वेदांता एल्यूमिनियम ने पर्यावरण और ऊर्जा उत्कृष्टता के लिए जीते अनेक पुरस्कार

लांजिगढ़ स्थित वेदांता एल्यूमिनियम की रिफाइनरी ने जीते कलिंगा एन्वायर्नमेंट एक्सीलेंस अवॉर्ड और कलिंगा एनर्जी एक्सीलेंस अवॉर्ड

रायपुर (विश्व परिवार)। भारत की सबसे बड़ी एल्यूमिनियम उत्पादक वेदांता एल्यूमिनियम ने लांजिगढ़ (जिला- कालाहांडी) स्थित अपनी एल्यूमिना रिफाइनरी यूनिट के लिए प्रतिष्ठित कलिंगा एन्वायर्नमेंट एक्सीलेंस अवॉर्ड और कलिंगा एनर्जी एक्सीलेंस अवॉर्ड जीते हैं। ये पुरस्कार इंस्टीट्यूट ऑफ क्वालिटी एंड एन्वायर्नमेंट मैनेजमेंट (आईक्यूईएमएस) द्वारा ओडिशा स्टेट पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड तथा इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एंटरप्राइज़, हैदराबाद के सहयोग प्रदान किए गए।

वेदांता की लांजिगढ़ यूनिट भारत की प्रमुख स्मेल्टर-ग्रेड एल्यूमिना उत्पादक है। यहाँ पर अनेक पहलें की गई हैं, जो वेदांता एल्यूमिनियम के सस्टेनेबिलिटी लक्ष्यों का हिस्सा हैं, जैसे- 2050 तक नेट ज़ीरो कार्बन, 2030 तक नेट वॉटर पॉज़िटिविटी, प्रभावी कचरा प्रबंधन, जैव विविधता बहाली और सभी प्रचालनों में ऊर्जा-कुशल प्रौद्योगिकी अपनाना। सस्टेनेबिलिटी के लिए कंपनी ने जो पहलें की हैं, उन्हें विश्व के प्रतिष्ठित मंचों पर सराहा गया है, जिनमें से एक है मूल्यांकन अवधि 2023 के लिए एस एंड पी कॉर्पोरेट सस्टेनेबिलिटी असैसमेंट (सीएसए) रैंकिंग में वेदांता एल्यूमिनियम का पहला स्थान।

इस उपलब्धि पर वेदांता एल्यूमिनियम के सीईओ जॉन स्लेवन ने कहा, हम सस्टेनेबल प्रचालन हेतु प्रतिबद्ध हैं और हमारी यही प्रतिबद्धता ऊर्जा दक्षता एवं पर्यावरणीय संरक्षण में हमारी सफलता की वजह बनी है, जो कि हमें प्राप्त हुए अनेक सम्मानों में परिलक्षित होती है। हमारी जो निर्णय प्रक्रिया है, उसमें हम सस्टेनेबल मूल्य श्रृंखला को शीर्ष प्राथमिकता देते हैं और इसके साथ हम अपनी बढ़ी हुई प्रचालन दक्षता को संतुलित करते हैं। हमारी ये उपलब्धियाँ उत्कृष्टता के लिए हमारी उन अथक कोशिशों को रेखांकित करती हैं, जो हम सस्टेनेबल बिजनेस मॉडल के माध्यम से कर रहे हैं, और जो वेदांता एल्यूमिनियम की इस परिवर्तनकारी यात्रा को बल प्रदान करती हैं।

देश की बढ़ती माँगों को पूरा करने के साथ-साथ वेदांता को धरती की जरूरतों का भी पूरा ख्याल है। कंपनी विविध पहलों के जरिए इस उद्योग के सस्टेनेबल रूपांतरण में योगदान दे रही है, जैसे कि नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों के उपयोग में वृद्धि (उदाहरण के लिए, बॉयलर कोफायरिंग में बायोमास का इस्तेमाल), लिथियम-आयन इलेक्ट्रिक फोर्कलिफ्ट की तैनाती और इलेक्ट्रिक वाहन उपयोग करने पर कर्मचारियों को इन्सेंटिव। इन कोशिशों से ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी आई है, वित्तीय वर्ष 2021 को आधार वर्ष मानकर वित्त वर्ष 24 में लगभग 9.3 प्रतिशत की कमी आई है, जबकि इस दौरान उत्पादन लगभग 20 प्रतिशत बढ़ा है। पानी का पुन: उपयोग करके और वाटर-पॉज़िटिव फुटप्रिंट को पोषित करके कंपनी ने स्थानीय समुदायों के साथ मिलकर प्रयास किए हैं और निरंतर जल स्तर की निगरानी की है। इस प्रकार वेदांता एल्यूमिनियम ने वि.व.24 के दौरान अपने सभी प्रचालनों में 15 अरब लीटर से अधिक पानी रिसाइकल किया है। इसके अलावा कंपनी ने अपने प्रचालनों के करीब संवेदनशील पर्यावासों एवं जैव विविधता की प्रणालीगत समीक्षा एवं पहचान की है। हाल ही में कंपनी ने अपने प्रचालनों के आसपास जैव विविधता के संरक्षण एवं क्लाईमेट रेसिलियेंस के लिए प्रकृति-आधारित समाधानों के अमल हेतु एक करार पर दस्तखत किए हैं।

वेदांता एल्यूमिनियम यह भी सुनिश्चित करता है कि बॉक्साइट अवशेष (एल्यूमिना रिफाइनिंग प्रक्रिया का बाय-प्रोडक्ट) और फ्लाई-ऐश (बिजली उत्पाद प्रक्रिया का बाय-प्रोडक्ट) का लाभदायक उपयोग हो सके। बॉक्साइट अवशेष को प्रचालन इलाकों में सड़क निर्माण में इस्तेमाल किया जाता है, फ्लाई ऐश के साथ मिलाकर इसका उपयोग विक ड्रेन डैवलपमेंट में मिट्टी के मजबूत करने में किया जाता है और सीमेंट उद्योग को बतौर कच्चा माल इसे सप्लाई किया जाता है। परिणामस्वरूप, अब तक 1,00,000 मीट्रिक टन से अधिक रैड मड का इस्तेमाल किया जा चुका है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को सड़क निर्माण तथा स्थानीय समुदायों द्वारा संचालित ईंट निर्माण हेतु फ्लाई ऐश की आपूर्ति करके उसका लाभदायक उपयोग किया जाता है और इस तरह ग्रामवासियों की आमदनी में इजाफा होता है। इन पहलों से वित्त वर्ष 23 में कचरे का उपयोग 200 प्रतिशत बढ़ा है।

मोहित साहू द्वारा निर्मित फिल्म हण्डा 68 सिनेमा घरों में आज होगा रिलीज़, ऑनलाइन बुकिंग शुरु

पहले दिन 5 शो व दूसरा व तीसरा दिन 6 शो

रायपुर (विश्व परिवार)। हण्डा की खोज में निर्माता मोहित साहू व उनकी टीम शुक्रवार की दोपहर 12 बजे से निकल पड़ेंगे। यह फिल्म शुक्रवार से छत्तीसगढ़ के 68 सिनेमाघरों में एक साथ रिलीज होगी। ये फिल्म छत्तीसगढ़ के इतिहास में एक साथ 68 स्क्रीन में पहली बार रिलीज़ होने वाली है। इसके लिए ऑनलाइन बुकिंग भी शुरु हो गई है और फिल्म को देखने के लिए सिनेप्रेमी अभी से टिकट बुक कराना भी शुरु कर दिए है। राजधानी रायपुर के श्याम टॉकीज में पहले दिन 5 शो व दूसरे व तीसरे दिन 6 खेलों में सिनेमाप्रेमी फिल्म हण्डा को देख सकेंगे।

निर्माता मोहित साहू ने बताया कि छत्तीसगढ़ के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है कि फिल्म के रिलीज से पहले ही इसके गानों को लोग खूब पसंद कर रहे है और उन्हें उम्मीद हैं कि फिल्म को देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक सिनेमाघरों तक पहुंचेंगे। क्योंकि फिल्म में हण्डा के निर्देशन व लेखक अमलेश नागेश, अभिनेत्री अमृता कुशवाहा, अनिल सिन्हा, नीरज उईके, विनायक अग्रवाल, जीतू दुलरवा, धर्मेन्द्र साहू, मोहित जोशी, पप्पू चंद्राकर, निरज ऊईके, विनायक अग्रवाल, जिन्तु दुलरवा, धर्मेन्द्र साहू, अमित गोस्वामी, लतीश भांगे, रूद्रा राजपूत, मोहित जोशी, हेमलाल कौशल, राजेश पांड्या मुख्य किरदार में परदे पर नजर आएंगे। फिल्म का डीओपी रजत सिंह राजपूत, एडिटर गौरांग त्रिवेदी, उमेश ध्रुव, म्यूज़िक डायरेक्टर ओमी स्टाइलियो का है। स्वर दिया हैं सुनील सोनी व अनुपमा मिश्रा ने, कोरियोग्राफर चन्दन दीप, डान्स कामदेव डान्स ग्रुप का है।

प्रदेश के इन सिनेमा घरों में हो रही रिलीज : निर्माता मोहित साहू ने माही फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले बनी छालीवुड फिल्म हण्डा शुक्रवार को एक साथ छत्तीसगढ़ के 68 सिनेमा घरों में रिलीज हो रही है और फिल्म के वितरक मां फिल्मस के तरुण सोनी हैं। जिन सिनेमाघरों में रिलीज होगी उनमें श्याम टॉकिज, कलर्स मॉल, मेग्नेटो मॉल, एफ एन एक्स भनपुरी, आईनॉक्स 36, आईनॉक्स अंबुजा, पी वी आर सिटी सेंटर रायपुर व मिराज सिनेमा- नया रायपुर, मुक्ता ए 2 - भिलाई, पी वी आर-भिलाई, स्वरूप टॉकिज - दुर्ग, के सेरा सेरा- दुर्ग, श्री सिनेमा - डोंगरगढ़, विनय टॉकिज- बालोद, पाची सिनेमा- बालोद, रतन टॉकिज- बेमेतरा, सिनेफ्लीक्स- कोरबा, रामनिवास- रायगढ़, आर के मॉल- रायगढ़, ग्रैंड मॉल- रायगढ़, गैलेक्सी मॉल- रायगढ़, सिटी सिनेमा-बसना आदि शामिल हैं।

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, मौलश्री विहार, रायपुर (छ.ग.) फोन नं.-0771-2991574
Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि सरदार वल्लभ भाई पटेल, थोक बाजार, **डुमरतराई,** रायपुर में स्थित "ब" सुविधा दुकान (भूतल) क्रमांक-46, **श्री बी.ए. गोलछा (HUF), कर्ता श्री फूलचंद गोलछा पिता श्री आसकरण गोलछा** के नाम पर इस कार्यालय का आबंटन आदेश क्रमांक-8793 दिनांक 22.07.2015 द्वारा ऑफर आधार पर आबंटित है। आबंटी द्वारा उक्त दुकान का पूर्ण मूल्य जमा कर अपने पक्ष में दिनांक 31.03.2017 को सेलडीड पंजीकृत उपरांत आधिपत्य आदेश प्राप्त लिया गया है। मूल आबंटी **श्री बी.ए. गोलछा (HUF), के कर्ता श्री फूलचंद गोलछा पिता श्री आसकरण गोलछा** की मृत्यु दिनांक 27.03.2022 को हो जाने के कारण **श्री बी.ए. गोलछा (HUF),** के नवीन कर्ता **श्रीमती कैलाश देवी गोलछा पति स्व. रानीदान गोलछा,** निवासी-म.नं.-136, बालक चौंक, धमतरी (छ.ग.) के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, सहमति पत्र, शपथ पत्र, अन्य दस्तावेज एवं मण्डल अधिवक्ता के विधिक अभिमत अनुसार उक्त दुकान को अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया जिसके अनुसार नामांतरण किया जाना है।

अत: उक्त दुकान के नामांतरण करने के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तीय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के **15 दिवस** के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./9699/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 03-07-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 9699
वार्ड का नाम- 15 - ने. कन्हैयालाल बाजारी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 15 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR108C0331A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **DEEPAK DEWANGAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **GOVIND DEWANGAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **GURUCHARAN KAUR** पिता/ पति, श्री/श्रीमती **LET TALVINDAR SINGH** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./12411/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 04-07-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12411
वार्ड का नाम-12- महात्मा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 12 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR225C00057** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GANESH YADAV** पिता/पति श्री/श्रीमती **DAKALU YADAV** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री मोहन यादव** पिता/पति श्री/श्रीमती **पिता- श्री गणेश राम यादव** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./12414/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 04-07-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12414
वार्ड का नाम-12- महात्मा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 12 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR225C0057A** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GANESH YADAV** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O DAKALU RAM YADAV** केनाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री तुलसी राम यादव** पिता/पति श्री/श्रीमती **पिता- श्री गणेश राम यादव** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र संलग्न**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./12454/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 04-07-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12454
वार्ड का नाम-10- महात्मा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 10 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR227G0025A** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MD. HUSSAIN** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O MD. HAKIM** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. श्री परवेज आलम, पिता- श्री मोहम्मद सलीम** पिता/पति श्री/श्रीमती **2. श्रीमती सजमा आसमीन, पति- श्री परवेज आलम** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर शुक्रवार 05 जुलाई 2024

कलेक्टर ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों का किया सघन दौरा

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, विद्यालय, आंगनबाड़ी समेत अन्य संस्थाओं का किया निरीक्षण

सूरजपुर(विश्व परिवार)। कलेक्टर रोहित व्यास ने आज जिले के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया। अपने दौरे में श्री व्यास ने ग्राम बसदेई के ग्रामीण सचिवालय, आंगनबाड़ी, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी विद्यालय, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सहित सहकारी समिति एवं शिवप्रसाद नगर के पीएम श्री एकलव्य छात्रावास का निरीक्षण किया। दौरे में कलेक्टर ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बसदेई का गहन निरीक्षण करते हुए चिकित्सकों की उपस्थिति, ओ.पी.डी. और आई.पी.डी. के मरीजों की जानकारी बीएमओ श्री प्रशांत सिंह तथा अस्पताल प्रबंधन से लेते हुए अस्पताल में दी जा रही सुविधाओं की वस्तुस्थिति का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संस्थागत प्रसव की दर को बेहतर करने के निर्देश देने के साथ ही क्षेत्र के 30 साल से अधिक उम्र के सभी लोगों के एनसीडी स्क्रीनिंग करने के निर्देश भी दिए ताकि लोगों को किसी गंभीर बीमारी की संभावना से बचाया जा सके। उन्होंने इस दौरान अस्पताल परिसर के स्वच्छता पर अधिक ध्यान देने के लिए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया। साथ ही उन्होंने ने वर्षाकाल में स्नेक बाइट के केस से निपटने के लिए पूरी तैयारी करने के निर्देश भी दिए। दौरे में कलेक्टर श्री व्यास ने ग्राम पंचायत बसदेई के ग्रामीण सचिवालय का निरीक्षण करते हुए उसके कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान संबंधित अधिकारियों से गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की और आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सचिवालय को पंचायत अंतर्गत सभी ग्रामीणों के हित में आवश्यक संसाधनों के प्रबंध के लिए विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। इस अवसर पर उन्होंने पंचायत में जल जीवन मिशन की वस्तुस्थिति की जानकारी के साथ आयुष्मान कार्ड एवं आधार कार्ड योजना के संबंध में जानकारी लेते हुए शत प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनवाने के निर्देश दिए ताकि ग्रामीण बेहतर स्वास्थ्य लाभ ले सकें। अपने दौरे में आदिम जाति सहकारी सेवा समिति ग्राम पंचायत बसदेई के निरीक्षण के दौरान उन्होंने पंजीकृत किसानों की जानकारी, उर्वरक बीज वितरण एवं किसान क्रेडिट कार्ड के संबंध में जानकारी प्राप्त कर आवश्यक निर्देश दिए। इसके अलावा कलेक्टर ने स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट इंग्लिश मीडियम स्कूल बसदेई का निरीक्षण किया । इस दौरान स्कूल की शैक्षणिक गतिविधि की जानकारी लेते हुए स्कूल भवन एवं परिसर का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए। श्री व्यास ने कहा कि स्कूल भवन में शिक्षकों की समय पर उपस्थिति, भवनों की साफ सफाई, नियमित मध्यान्ह भोजन, वार्षिक शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार बेहतर पढ़ाई करने का प्रबंध करने को कहा ताकि विद्यार्थियों में शिक्षा का स्तर बेहतर हो सके। इस अवसर पर श्री व्यास ने बच्चों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को सुनते हुए उनके निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। कक्षा बारहवीं के बच्चों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह जीवन का महत्त्वपूर्ण समय होता हैं। इसलिए वर्ष के प्रारंभ से ही अच्छे से पढ़ाई करें। साथ ही उन्होंने उपस्थित बच्चों से अनुपस्थित रहने वाले बच्चों को भी स्कूल आने के लिए प्रोत्साहित करने को कहा।

देश के भविष्य के लिए बच्चों को अच्छी शिक्षा देना महत्वपूर्ण-कलेक्टर कार्तिकेया गोयल

रायगढ(विश्व परिवार)। कलेक्टर कार्तिकेया गोयल के मुख्य आतिथ्य में आज 6वीं वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल उर्दना, रायगढ़ के आदर्श वंदना विद्यालय में शाला प्रवेश उत्सव एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में एसपी श्री दिव्यांग पटेल उपस्थित रहे। इस दौरान कलेक्टर श्री कार्तिकेया गोयल एवं एसपी श्री दिव्यांग पटेल ने नन्हे नव प्रवेशी बच्चों को तिलक लगाकर स्वागत किया। आयोजित शाला प्रवेश उत्सव एवं सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्री गोयल ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य है उन्हें हर प्रकार से अच्छी शिक्षा प्रदान करना आपकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। जो भविष्य में देश के विकास में अपना योगदान देकर देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में सहयोग करेंगे। शाला प्रवेश उत्सव हमारे लिए उतना ही महत्वपूर्ण है, जैसे एक मंदिर का कपाट खुलते हैं, यह भी शिक्षा का मंदिर है। उन्होंने परिजनों को संबोधित करते हुए कहा कि आप ने अपने जीवन में जो करना था, वह कर लिया एवं जो करेंगे वह कर भी सकते हैं, लेकिन आपके बुढ़ापे का भविष्य बच्चे हैं, जो उनकी शिक्षा पर निर्भर करता है। हम शिक्षा में आगे बढ़ सकते हैं, क्योंकि भारत जानता है कि शिक्षा का क्या महत्व है और शिक्षा का हर समाज में महत्व होता है। सेना के साथ देश का हर व्यक्ति, युवा देश को सुरक्षित और मजबूत करता है। जिसके योगदान से देश का विकास और अर्थव्यवस्था मजबूत होती है। कलेक्टर श्री गोयल ने कहा कि आजादी के बाद हमारे पूर्वजों ने इतनी मेहनत कि जिससे देश मजबूत है, हमें भी अपने देश के भविष्य के लिए बच्चों को अच्छी शिक्षा के माध्यम से मजबूत करना है। उन्होंने परिजनों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सबके पास एक स्किल है, जिसके माध्यम से शिक्षा में आप सहयोग प्रदान कर सकते है। इस दौरान मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। एसपी श्री दिव्यांग पटेल ने कहा कि मैं स्वयं बहुत सारे बटालियन से जुड़ा रहा, लेकिन 6 वीं बटालियन के द्वारा जिस प्रकार से नियमित कार्यक्रम किए जा रहे है, यह सराहनीय है। स्कूल में उच्च दर्जे की शिक्षा प्रदान की जा रही है। जो बच्चों के भविष्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

कस्टम मिलिंग चावल जमा करने में लापरवाही पर कार्रवाई

स्टॉक से 230 क्विंटल अधिक धान पाए जाने पर धान जब्त

बिलासपुर(विश्व परिवार)। खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में समर्थन मूल्य पर उपार्जित धान के उठाव पश्चात् कस्टम मिलिंग चावल जमा हेतु जिले के समस्त राईस मिलरों की समीक्षा बैठक कलेक्टर अवनीश शरण की अध्यक्षता में आयोजित की गई थी। समीक्षा बैठक में अनुबंधित सभी राईस मिलर्स को निर्धारित समय-सीमा में अनुपातिक चावल भारतीय खाद्य निगम एवं नागरिक आपूर्ति निगम में जमा करने हेतु निर्देशित किया गया एवं ऐसे मिलर्स जिनके द्वारा कस्टम मिलिंग के चावल जमा करने में लापरवाही बरती जा रही है, के विरूद्ध कार्रवाई करने के निर्देश कलेक्टर द्वारा दिये गये थे। उपरोक्त निर्देश के परिपालन में आज जेठू बाबा इण्डस्ट्रीज, बहतराई, बिलासपुर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में खाद्य विभाग के सहायक खाद्य अधिकारी अजय मौर्य, खाद्य निरीक्षक श्याम वस्त्रकार एवं धीरेन्द्र कश्यप के द्वारा किया गया। जांच में मिल संचालक द्वारा कस्टम मिलिंग चावल %जमा करने में उदासीनता बरतना पाया गया। मिल परिसर का भौतिक सत्यापन करने पर धान की मात्रा में अनियमितता किया जाना पाया गया। जिसमें मिल में संधारित अभिलेख अनुसार 34545 क्विंटल धान उपलब्ध होना चाहिए था, जबकि जॉच में मौके पर 34775 क्विंटल धान उपलब्ध पाया गया।

स्कूल जतन योजना से 896 स्कूल भवनों का हो रहा कायाकल्प

बिलासपुर(विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप स्कूल जतन योजना के तहत जिले के स्कूलों का भी जीर्णोद्धार एवं मरम्मत कार्य लगातार जारी है। नए शिक्षा सत्र में बिल्कुल नए कलेवर में अपना पुराना स्कूल देखकर बच्चे खुश हैं। स्कूली बच्चों को बेहतर शिक्षा देने के क्रम में आधारभूत व्यवस्थाओं को मजबूत करना बेहद जरूरी है। अच्छा वातावरण निश्चित रूप से विद्यार्थियों के मानसिक दबाव को कम करते हुए अच्छी शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करता है। कलेक्टर अवनीश शरण के मार्गदर्शन में इस योजना के तहत स्कूल भवनों को संवारने का कार्य निरंतर जारी है। जिले के 896 स्कूलों का कायाकल्प किया जा रहा है। इनमें से 452 कार्य पूर्ण हो चुके है। इन स्कूलों में छतों को सुधारने का काम, पॉलिश, दीवारों में रंगरोगन, शौचालयों की मरम्मत, कक्षाओं में टाइल्स के साथ-साथ आकर्षक साज-सज्जा का कार्य किया जा रहा है। इससे स्कूल भवन देखने में काफी आकर्षक लग रहे है। जिले के जिन स्कूलों में मरम्मत का कार्य पूरा हो गया है। वे बिल्कुल नये स्वरूप में नजर आ रहे है। इन स्कूल के बच्चों को बेहतर परिवेश में पढ़ने की सुविधा मिल रही है। ग्रामीण एवं बच्चों के माता-पिता मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त करते हुए कहते हैं कि इस योजना से बच्चों को बेहतर स्कूल भवन मिलेगा और वे अच्छे से पढ़ाई कर पाएंगे।

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान : विधायक रायमुनी भगत, एसपी और डीएफओ ने किया पौधरोपण

छात्र-छात्राओं ने पौधरोपण कर संरक्षण का लिया संकल्प

जशपुरनगर(विश्व परिवार)। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुद्ध जयंती पार्क, नई दिल्ली में पीपल का पौधा लगाकर 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान की शुरुआत की है। जिसके बाद देश भर में इस अभियान के तहत वृहद पौधरोपण का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज जशपुर वन विभाग की ओर से जशपुर स्थित केंद्रीय विद्यालय सहित जशपुर वनमंडल परिक्षेत्र में एक पेड़ मां के नाम पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। केंद्रीय विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में जशपुर विधायक रायमुनी भगत, नगर पालिका उपाध्यक्ष राजू गुप्ता, एसपी शशि मोहन और डीएफओ जितेंद्र उपाध्याय सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। जहां विधायक रायमुनी भगत, एसपी, एएसपी और डीएफओ सहित सभी नए पौधरोपण किया। वही विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने पौधरोपण कर संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक रायमुनी भगत ने बताया कि एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरूआत प्रधानमंत्री द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर की गई थी। धरती मां ही हमारे जीवन का आधार है, इसलिए हमारा कर्तव्य है कि हम धरती मां का ख्याल रखें। मां के नाम पेड़ लगाने से मां का सम्मान होगा और धरती मां की भी रक्षा होगी। हमें पौधों के संरक्षण का भी संकल्प लेना चाहिए। इस पौधारोपण कार्यक्रम और 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को सफल बनाने के लिए डीएफओ जितेंद्र उपाध्याय के अगुआई में एसपी, एएसपी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों नए कार्यक्रम में भाग लिया। वही इस कार्यक्रम ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व को बल दिया, साथ ही जनसहभागिता को भी प्रोत्साहित किया। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान धरती की हरियाली को बढ़ावा देने और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह कार्यक्रम एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत सफलतापूर्वक आयोजित किया गया और लोगों को पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी का एहसास कराया।

लोक अदालत में अधिक से अधिक राजीनामा योग्य प्रकरणों का करें निराकरण : चीफ जस्टिस सिन्हा

चीफ जस्टिस ने वीसी के जरिए बैठक लेकर लोक अदालत की तैयारी की समीक्षा की

बिलासपुर(विश्व परिवार)। आगामी नेशनल लोक अदालत दिनांक 13 जुलाई की तैयारियों के संबंध में मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा, मुख्य संरक्षक छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्षता एवं न्यायमूर्ति गौतम भादुड़ी न्यायाधीश छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय एवं कार्यपालक अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण तथा न्यायमूर्ति संजय के0 अग्रवाल, न्यायाधीश, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय एवं अध्यक्ष, उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति की विशेष उपस्थिति में संयुक्त रूप से छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय से विडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से समस्त जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों के प्रधान जिला न्यायाधीश,अध्यक्ष, सचिव, फैमिली कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश, न्यायाधीश, स्थायी लोक अदालत के चेयरमेन, सीजेएम, लेबर जजों की बैठक लेकर लोक अदालत की तैयारी की समीक्षा की गई। बैठक में न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा, मुख्य न्यायाधीश, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय एवं मुख्य संरक्षक, छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने सभी न्यायाधीशों से आगामी नेशनल लोक अदालत में सिविल, आपराधिक एवं अन्य राजीनामा योग्य प्रकरणों को अधिक से अधिक संख्या में चिन्हांकित कर निराकृत किये जाने के निर्देश दिये। उन्होने न्यायालयों में 5 वर्ष एवं 10 वर्ष से अधिक समय से लंबित राजीनामा योग्य प्रकरणों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई। बैंक एवं अन्य वित्तीय संस्थाओं, विद्युत वितरण कंपनियों, बीएसएनएल, बीमा कंपनियों एवं अन्य के द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्री-लिटिगेशन आवेदनों के पक्षकारों की प्री-सिटिंग कराकर अधिक-से-अधिक प्री-लिटिगेशन मामलों के निराकरण की आवश्यकता बताई ताकि ऐसे मामले न्यायालय में संस्थित होने से पहले ही निराकृत हो जाएं।

रहस्यमय ढंग से पार हो गए चार लाख रुपए कीमत के जेवरात

कोरबा(विश्व परिवार)। सिटी कोतवाली क्षेत्र में चार लाख रुपए कीमत के जेवरात रहस्यमय ढंग से पार हो गए। मामला नवधा राम पटेल पिता शांतिलाल पटेल 36 वर्ष, निवासी वार्ड नंबर 01, पटेल पारा थाना कोतवाली के घर का है। नवधा पटेल ने बताया कि 10.05.2024 को पूरा परिवार विवाह में शामिल होने एक दिन के लिए ढोढ़ीपारा गया था। विवाह में शामिल होने के पश्चात् उसकी पत्नी द्वारा दो सेट सोने का हार, तीन सेट सोने का झुमका को अलमारी में सुरक्षित रख दिया गया था। इन समानों के साथ चांदी का सामान भी रखा हुआ था। अभी 25.06.2024 को पुन: विवाह में बांकी मोंगरा जाना था तब पत्नी द्वारा आलमारी खोलकर देखने पर पता चला कि दो सेट सोने का हार, तीन सेट सोने का झुमका किसी के द्वारा ङ्क चोरी कर लिया गया है। चोरी गए सोने की कीमत लगभग 4,00,000 रुपये है।

संक्षिप्त समाचार

चरित्र शंका पर पत्नी की हत्या, पति गिरफ्तार

कोरबा(विश्व परिवार)। जिले के कारबी चौकी क्षेत्र में एक व्यक्ति ने चरित्र शंका के चलते अपनी पत्नी की फावड़े से मारकर हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया। जिसे पुलिस ने जंगल से गिरफ्तार कर लिया। मिली जानकारी के अनुसार, कोरबी चौकी के ग्राम जलके के मांझा बहरा मोहल्ला में देर शाम बसन्त कुमार पोया ने अपनी पत्नी मंगली बाई (32 वर्षीय) पर फावड़े से हमला कर उसकी हत्या कर दी। हत्या करने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर मामले की जांच के साथ ही आरोपी की तलाश में भी जुट गई। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी जंगल में छिपा हुआ है जिसके बाद पुलिस ने छापेमारी कर आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया और आगे की कार्रवाई कर रही है। बताया जा रहा है कि पति बीते मंगलवार को देर शाम बकरी चराकर घर पहुंचा तो पत्नी को दो मर्दों से बात करता देख आगबबूला हो गया। जिसके बाद वह घर पर पड़े फावड़े को उठाया और उससे पत्नी पर हमला कर दिया। जिससे पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई।

बाइक सवारों ने लूटे लाखों के गहरे

रायगढ़(विश्व परिवार)। चक्रधरनगर चौक के पास बाइक सवार नकाबपोश बदमाशों ने सोने चांदी से भरे बैग की लूट लिया। बदमाश बैग छीनकर फरार हो गए। बैग में लाखों रुपये के सोने चांदी के जेवर थे। पूरा घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। रायगढ़ एसपी ने पुलिस अधिकारियों के साथ घटनास्थल पहुंच जांच की। मिली जनकारी के अनुसार, नटवर अग्रवाल द्वारा संचालित ओम ज्वैलरी शाप है। रोज की तरह दुकान बंद कर कर्मचारी सोने चांदी से भरा बैग लेकर सरला विला की ओर मकान में रखने जा रही थी। तभी मिश्रा कॉन्प्लेस के पास बाइक सवार दो नकाब पोस बदमाशों ने दुकान में काम करने वाली युवती के हाथों से सोने चांदी से भरी बैग लूटकर भाग निकले। तत्काल घटना की सूचना पुलिस को दी गई। घटना की सूचना मिलते ही रायगढ़ एसपी पुलिस दलबल के साथ मौके पर पहुँचे। पीड़िता ने बताया कि लूटेरों ने लाखों की कीमत का माल ले गए हैं। पुलिस ने बदमाशों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उनकी तलाश कर रही हैं। साथ ही सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही हैं।

पुलिस अधीक्षक की टीम ने 23 रास मवेशियों को तस्करी होने से बचाया

जशपुर(विश्व परिवार)। पुलिस अधीक्षक श्री शशि मोहन सिंह द्वारा मवेशी तस्करों के विरूद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है, पुलिस द्वारा निरंतर पशु तस्करों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुये मवेशियों को तस्करी होने से बचाया जा रहा है एवं तस्करी में संलिप्त अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल दाखिल किया जा रहा है। मंगलवार दिनांक 02.07.2024 को पुलिस अधीक्षक जशपुर श्री शशि मोहन सिंह को मुखबीर से सूचना मिला कि थाना कांसाबेल क्षेत्र के ग्राम सिहारबुड़ में 02 व्यक्ति पैदल माध्यम से एवं 01 व्यक्ति अपने चारपहिया वाहन से मवेशियों को करूरतापूर्वक मारते-पीटते हुये झारखंड प्रांत की ओर ले जा रहे हैं, इस सूचना पर पुलिस अधीक्षक द्वारा तत्काल उप पुलिस अधीक्षक श्री विजय सिंह राजपूत के नेतृत्व में टीम गठित कर तत्काल मौके के लिये रवाना किया गया, टीम द्वारा ग्राम सिहारबुड़ में जाकर दबिश देकर करूरतापूर्वक मवेशी तस्करी कर रहे रविन्द्र नायक एवं छोटू राम केंवट को अभिरक्षा में लेकर उनसे कुल 23 रास मवेशियों को जब्त किया गया। चारपहिया वाहन में सवार व्यक्ति पुलिस को आता देख वाहन सहित फरार हो गया। रविन्द्र नायक एवं छोटू राम केंवट ने पूछताछ में बताया कि वे फरार हुये व्यक्ति के कहने पर मवेशियों को तस्करी कर ले जाना बताये। उक्त प्रकरण में थाना कांसाबेल में धारा छ.ग. कृषि पशु परि.अधि. 2004 की धारा 4, 6, 10 एवं पशु करूरता अधि. की धारा 11 का अपराध पंजीबद्ध कर प्रकरण के अभियुक्त 1रविन्द्र नायक उम्र 35 साल निवासी सिहारबुड़ (बागटोली) थाना कांसाबेल, छोटू राम उम्र 24 साल निवासी चरईडांड़ थाना दुलदुला को दिनांक 02.07.2024 को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है। प्रकरण के फरार आरोपी की पतासाजी हेतु पुलिस टीम को लगाया गया है। प्रकरण की विवेचना कार्यवाही एवं पशु जप्ती कार्यवाही में उप पुलिस अधीक्षक श्री विजय सिंह राजपूत, स.उ.नि. नीता कुर्रे, प्र.आर. 94 जोस्टीन तिर्की, आर. 297 सुदीप एक्का, आर. 790 सुशील तिर्की, न.सै. जोगेन्द्र एवं अन्य स्टॉफ का योगदान रहा है। पुलिस अधीक्षक जशपुर श्री जिला पुलिस जशपुर द्वारा पशु तस्करों के खिलाफ लगातार अभियान चलाकर कार्यवाही की जा रही है, अभियान में निरंतर सफलता मिल रही है, फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिये स्पेशल टीम को लगाया गया है।

दैनिक
विश्व परिवार
विचार-पक्ष
रायपुर शुक्रवार 05 जुलाई 2024
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

सुरक्षित स्थान हर व्यक्ति का मौलिक अधिकार

साफ फुटपाथ और चलने के लिए सुरक्षित स्थान हर व्यक्ति का मौलिक अधिकार है। इसे मुहैय्या कराना राज्य प्राधिकरण का दायित्व है। बंबई उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने यह कहा। फुटपाथ और सड़कों को प्रधानमंत्री और अति विशिष्ट व्यक्तियों के लिए एक दिन में खाली कराया जा सकता है, तो सभी लोगों के लिए रोज ऐसा क्यों नहीं किया जा सकता। अदालत ने यह भी कहा कि नागरिक कर देते हैं, उन्हें साफ फुटपाथ और चलने की सुरक्षित जगह की जरूरत है। राज्य सरकार के सख्त कार्रवाई करने की आवश्यकता और बरसों से अधिकारियों द्वारा इस मुद्दे पर काम करने की बातें बनाने पर भी अदालत ने नाराजगी जताई। इस दिशा में कठोर कदम उठाने के साथ ही संबंधित अधिकारियों में इच्छाशक्ति की कमी की बात भी की। यह हालत केवल महानगरों की ही नहीं है। अव्वल तो फुटपाथ बमुश्किल नजर आते हैं। उन पर जबरदस्त कब्जा है। रेहड़ी-खोमचे वाले तो फुटपाथों को घेर ही लेते हैं। बड़े दूकानदार भी अपने माल के प्रदर्शन और फिजूल/रद्दी सामान रखने के लिए उसका अतिरिक्त स्थान की तरह धड़ल्ले से उपयोग करते हैं। कई स्थानों पर फुटपाथों को पार्किंग स्थल बना कर प्राधीकरण खुद वसूली के ठेके देता नजर आता है। अनधिकृत फेरी वालों और रेहड़ी वालों के लिए किसी भी सरकार और प्राधिकरण द्वारा कोई विशेष स्थान तय नहीं किया जाता। यह सच है कि अपने यहां घूम-घूम कर तथा अस्थायी तौर पर बैठकर सामान बेचने वाले बहुसंख्य लोग हैं। यह उनकी रोजी-रोटी है। इन्हें उजाड़ा जाना कतई उचित नहीं कहा जा सकता। मगर आर्थिक तौर पर कमजोर लोगों को मदद किया जाना भी जरूरी है। भारतीय संविधान के अनुसार, 1950 के अनुच्छेद 19(1)(छ) में कमजोर वर्ग को फुटपाथ पर काम करने से रोका नहीं जा सकता। जैसा कि अदालत ने कहा, प्रधानमंत्री और अन्य विशिष्टों के लिए मिनटों में खाली कराए जाने वाले फुटपाथों को आम नागरिक के लिए मुहैया कराने का कोई प्रयास नहीं होता। छोटे बच्चों, बुजुगरे तथा पैदल चलने वाले अन्य लोगों की सुविधा की अनदेखी पूरे देश में होती है जिसके लिए बेशक, राज्य सरकारें दोषी कही जा सकती हैं। यही कारण है कि सड़क दुर्घटनाओं में मारे जाने वालों में पैदल यात्रियों की संख्या में कोई कमी नहीं आ रही है।

तीन आपराधिक कानूनों को नया नाम

अजीत द्विवेदी

देश में नए आपराधिक कानून लागू हो गए हैं। इस बात को ऐसे भी कह सकते हैं कि अंग्रेजों के जमाने में, 1861 में बने तीन आपराधिक कानूनों को नया नाम मिल गया है और कई अपराधों की धाराएं बदल गई हैं। मुख्य रूप से यही काम हुआ है। बाकी कुछ नए अपराधों को इसमें शामिल किया गया है और कुछ पुराने अपराध इन कानूनों के दायरे से बाहर भी हो गए हैं। लेकिन उनकी संख्या बहुत थोड़ी है। नए कानून एक जुलाई से लागू हुए हैं और उससे पहले सोशल मीडिया में इन पर मीम्स की भी बाढ़ आई थी। जैसे कई लोगों ने कहा कि अब इस देश में कोई 'श्री 420' नहीं होगा। अब धोखाधड़ी करने वाले को 'श्री 318' कहना होगा। अगर कोई राजकपूर की आईकॉनिक फिल्म 'श्री 420' का रिमेक बनाए तो उसे नए नाम से बनाना होगा क्योंकि सरकार ने फ्रॉड की धारा बदल दी है। इसी तरह हत्या के लिए 302 की जगह 101 धारा आ गई है और हत्या के प्रयास के लिए 307 की जगह 109 धारा लगेगी। बलात्कार के आरोप में 375 और 376 की जगह धारा 63 और 64 के तहत मुकदमा चलेगा। पुलिस वालों, वकीलों, न्यायिक अधिकारियों, पत्रकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को नई धाराएं याद करनी होंगी और पुरानी भी याद रखनी होंगी क्योंकि एक जुलाई 2024 से पहले के सारे मामले पुरानी धाराओं में सुने जाएंगे। सवाल है कि इसके पीछे क्या तर्क हो सकता है? ज्यादातर लोग अभी तक कोई ठोस तर्क नहीं सोच पाए हैं सिवाए इसके कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम इतिहास में दर्ज होगा कि उन्होंने अंग्रेजों के बनाए आपराधिक कानूनों को बदला था। जो कानून 1861 से चल रहे थे और 'गुलामी की मानसिकता' का प्रतीक थे उनको 2024 में नरेंद्र मोदी ने बदल दिया। उन्होंने इंडियन पीनल कोड यानी भारतीय दंड संहिता का नाम भारतीय न्याय संहिता कर दिया। अपराध प्रक्रिया संहिता का नाम भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता कर दिया और साक्ष्य कानून का नाम भारतीय साक्ष्य संहिता कर दिया। अगर तीनों आपराधिक कानूनों में बड़े बदलाव की बात करें तो वह ये है कि भारतीय दंड संहिता में 511 धाराएं थीं, जिन्हें कम करके 356 कर दिया गया। कई धाराएं एक दूसरे को ओवरलैप कर रही थीं तो उनको आपस में मिला दिया गया। सीआरपीसी में पहले 484 धाराएं थीं लेकिन उसकी जगह बने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में इनकी संख्या बढ़ कर 531 हो गई है। दूसरा बड़ा बदलाव यह हुआ कि कुछ अपराध की धाराएं बदल दी गई हैं। इन धाराओं को नए सिरे से याद करना होगा। मुश्किल यह है कि देश की अदालतों में पांच करोड़ से ज्यादा मुकदमे लंबित हैं, जिनमें से साढ़े तीन करोड़ से ज्यादा आपराधिक मामले हैं। उन सभी साढ़े तीन करोड़ मुकदमों में पुरानी धाराओं के तहत ही सुनवाई होगी। यानी पुलिस में अभियोजन का काम देख रहे अधिकारियों, वकीलों, न्यायिक अधिकारियों आदि को 30 जून से पहले के केस के लिए पुरानी धाराएं याद रखनी हैं और एक जुलाई से जो मुकदमे दर्ज होंगे उनके लिए नई धाराएं याद रखनी होंगी। बहरहाल, तीसरा बदलाव यह है कि नए कानून में कुछ नए अपराध शामिल किए गए हैं। झांसा या लालच देकर शारीरिक संबंध बनाने पर नई धारा के तहत मुकदमा चलेगा। गौरतलब है कि पिछले कुछ समय से अदालतों ने ऐसे मामलों में राहत देनी शुरू की थी। इसी तरह विवाहित स्त्री को बरगलाने के अपराध की एक अलग धारा बनी है। माना जा रहा है कि कथित लव जिहाद रोकने की सोच के साथ ये नई धाराएं शामिल की गई हैं। नाबालिग पत्नी से संबंध बनाने को बलात्कार की श्रेणी में डाला गया है। एक दिलचस्प बात यह है कि यौन अपराधों पर इतना ध्यान देने के बाद भी सरकार ने पुरुषों के साथ बलात्कार को नए कानून से बाहर कर दिया है। पहले समलैंगिक या अप्राकृतिक यौन व्यवहार के लिए धारा 377 के तहत मुकदमा चलता था। लेकिन अब यह धारा खत्म कर दी गई है और इसके तहत होने वाले अपराध को किसी और धारा में नहीं शामिल किया गया है। बहरहाल, मॉब लिंचिंग के लिए नया कानून बना है तो आतंकवाद को आपराधिक कानून में शामिल किया गया है। संगठित अपराध के लिए नया कानून बना है। सरकारी अधिकारियों को ड्यूटी से रोकने के लिए आत्महत्या का प्रयास करना भी अब अपराध माना जाएगा। धरने, प्रदर्शन आदि के दौरान अक्सर ऐसी घटनाएं होती हैं। नाम और धाराएं बदलने के क्रम में एक बड़ा बदलाव यह हुआ है कि सरकार ने राजद्रोह का नाम बदल कर देशद्रोह कर दिया है। अंग्रेजों के जमाने में राजद्रोह ही देशद्रोह था। यानी जो अंग्रेजी राज का विरोध करेगा उसे देश विरोधी माना जाएगा। कायदे से आजादी के बाद लोकतंत्र स्थापित होते ही इसे समाप्त कर दिया जाना चाहिए था क्योंकि लोकतंत्र में राजद्रोह जैसी कोई चीज नहीं होती है। लोकतंत्र में सत्ता का विरोध करना नागरिक का अधिकार होता है। बहरहाल, आजादी के 77 साल बाद इसका नाम बदला। हालांकि कानून जस का तस है। अपराध भी लगभग वही है, जो राजद्रोह में परिभाषित है। इसका सिर्फ नाम बदल गया है और धारा बदल गई है। पहले 124 के तहत मुकदमा चलता था और अब 152 के तहत चलेगा। जिस एक बदलाव की सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है या जिसका सबसे ज्यादा विरोध हो रहा है वह किसी आरोपी को ज्यादा लंबे समय तक पुलिस हिरासत में रखने का कानून है। पुराने कानून के हिसाब से किसी आरोपी को अधिकतम 15 दिन तक पुलिस हिरासत में रखा जा सकता था। हालांकि अदालतें कभी भी पुलिस को 15 की रिमांड नहीं देती थीं। दो या तीन बार में ज्यादा से ज्यादा 10 या 12 दिन तक की हिरासत मिलती थी और उसके बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में यानी जेल में भेजना होता था। अब किसी आरोपी को 90 दिन तक पुलिस हिरासत में रखा जा सकता है। यह सही है कि अदालत के आदेश से ही रखा जा सकता है लेकिन तीन महीने की अवधि बहुत बड़ी है। नए कानूनों में कई अच्छी बातों का प्रचार किया जा रहा है। जैसे शिकायत के तीन दिन के भीतर एफआईआर दर्ज करनी होगी। मुकदमा दर्ज करने और समन आदि भेजने में इलेक्ट्रोनिक उपकरणों का इस्तेमाल किया जाएगा। बलात्कार के मामले में सात दिन के भीतर मेडिकल रिपोर्ट दाखिल करनी होगी। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति के परिजनों को इसकी जानकारी देनी होगी। पुलिस को 90 दिन में आरोपपत्र दाखिल करना होगा और उसके 60 दिन में अदालत को आरोप तय करने

विशेष लेख

मोदी की रूस यात्रा

डॉ. दिलीप चौबे

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपने तीसरे कार्यकाल की शुरुआत में घरेलू और विदेश मोर्चे पर चुनौतियों का सामना है। आशानुरूप जनादेश नहीं मिलने के कारण उन्हें घरेलू राजनीति में अपना जनाधार बनाए रखने और यथासंभव उसका विस्तार करने की चुनौती पेश है। कारगर विदेश नीति के लिए जरूरी है कि किसी नेता को अपने देश में जनता का भरपूर समर्थन मिले। भारत में आम तौर पर विदेश नीति को लेकर मतैक्य रहा है, लेकिन हाल के वर्षो में राजनीतिक दलों में वैमनस्यता और अविश्वास बढ़ा है। इसका असर विदेश नीति पर भी दिखाई दिया है। चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों ने भारत के भरोसेमंद दोस्त रूस और उसके नेता ब्लादिमीर पुतिन के खिलाफ प्रतिकूल टिप्पणी की थी। रूस के विदेश मंत्रालय की ओर से भी यह आरोप लगाया गया था कि अमेरिका भारतीय चुनाव प्रक्रिया में दखलअंदाजी कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने विदेश नीति की निरंतरता को कायम रखने के लिए बहुत चतुराई का प्रदर्शन किया। चुनाव परिणाम आने से पहले ही ईरान के साथ चाबहार बंदरगाह समझौता किया गया। यदि चुनाव के बाद विपक्षी सरकार बनती तो यह समझौता होता या नहीं, यह अनुमान का विषय है। सरकार बनने के बाद अपनी पहली द्विपक्षीय विदेश यात्रा के रूप में रूस का चुनाव करना भी बहुत महत्त्वपूर्ण है। मोदी अपने तीसरे कार्यकाल की शुरुआत में ही रूस के साथ अपने संबंधों को पुख्ता बनाना चाहते हैं। अमेरिका सहित पश्चिमी देश भारत और प्रधानमंत्री मोदी के प्रति बेरुखी का रवैया अपनाने लगे हैं। आगे चलकर यह प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष विरोध में बदल सकता है। ऐसे में मोदी की जवाबी रणनीति यह प्रतीत होती है कि रूस के साथ संबंधों को और मजबूत बनाया जाए। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1970 के दशक में ऐसी ही रणनीति अपनाई थी। भारत ने तत्कालीन सोवियत संघ के साथ मैत्री संधि की थी जिसके कारण बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के समय भारत अमेरिका की चुनौती का सामना कर सका। प्रधानमंत्री मोदी की रूस यात्रा 8 और 9 जुलाई को संभावित है। इसी समय वाशिंगटन में नाटो सैन्य संगठन की शिखर वार्ता भी होने वाली है। कूटनीतिक सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी की रूस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच एक महत्त्वपूर्ण सैन्य सहयोग समझौता हो सकता है। इसके अंतर्गत रूस के युद्धपोत भारतीय बंदरगाहों में ठहराव और मरम्मत आदि की सुविधा हासिल कर सकते हैं। भारत ने कुछ वर्ष ऐसा ही समझौता अमेरिका और कुछ अन्य देशों के साथ भी किया था। लेकिन मौजूदा रणनीतिक परिदृश्य में रूस की नौसेना को यह सुविधा दिया जाना अमेरिका के लिए खतरे की घंटी है। रूस ने हाल में उत्तर कोरिया के साथ सैन्य गठबंधन किय है, जो जापान, दक्षिण कोरिया और फिलीपींस के लिए गंभीर चिंता का विषय है। इसी तरह रूसी सैनिकों ने हिन्द महासागर और अरब सागर में अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। रूस और ईरान इस समुद्री क्षेत्र में अमेरिका के दबदबे को चुनौती दे रहे हैं। कुल मिलाकर पूरे हिन्द प्रशांत क्षेत्र में रूस की मौजूदगी पिछले शीत-युद्ध वाले दौर की याद दिलाती है। इन हालात में रूस और भारत के बीच बढ़ता सैन्य सहयोग पर अमेरिका क्या रवैया अपनाता है, यह आने वाले दिनों में स्पष्ट होगा। प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के दौरान ही दोनों देश एस-400 मिसाइल प्रणाली के साझा उत्पादन के संबंध में भी समझौता कर सकते हैं। मेक इन इंडिया मिशन की यह एक बड़ी उपलब्धि होगी। कुछ महीनों बाद रूस में ही ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आयोजन होना है। लगातार व्यापक बन रहे ब्रिक्स संगठन के जरिए ग्लोबल साउथ आर्थिक मोर्चे पर घरेलू करंसी को मजबूत बनाने और अमेरिकी मुद्रा डॉलर का वर्चस्व समाप्त करने का फैसला भी कर सकते हैं।

गलवान के चार साल और चीन की अमानवीयता

डा. अमरीक सिंह ठाकुर

पर्यटन को बढ़ावा देने और सीमावर्ती क्षेत्रों के सामाजिक-आर्थिक ताने-बाने को मजबूत करने के लिए भारत ने 'वाइब्रेंट विलेज' कार्यक्रम शुरू किया है। इससे आजीविका के अवसर बढ़ेंगे गलवान घाटी संघर्ष की चौथी वर्षगांठ हाल में मनाई गई। यह घटना चीन के साथ भारत के संबंधों में 45 साल के अध्याय के अंत का प्रतीक है, जिसमें वास्तविक नियंत्रण रेखा पर जीवन के नुकसान से कोई सशस्त्र टकराव नहीं देखा गया था। हिंसक झड़प तब हुई जब चीनी पक्ष एलएसी का सम्मान करने के लिए आम सहमति से हट गया और एकतरफा रूप से यथास्थिति को बदलने का प्रयास किया। यह सैन्य शक्ति के साथ एक राजनीतिक लक्ष्य प्राप्त करने का चीनी पक्ष का तरीका है। गलवान घाटी संघर्ष एक महत्वपूर्ण क्षण जो भारतीय सेना की व्यावसायिकता और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) के अमानवीय शासन के बीच स्पष्ट विरोधाभासों का प्रतीक बन गया है। डोकलाम गतिरोध और गलवान घाटी संघर्ष के दौरान भारतीय सेना का आचरण राष्ट्र की संप्रभुता की रक्षा के लिए उसके अनुशासन, व्यावसायिकता और समर्पण का एक प्रतीक बन गया है। दुनिया ने भारतीय सैनिकों की वीरता और रणनीतिक क्षमता देखी, जो उकसावे के खिलाफ मजबूती से खड़े रहे और भारत की क्षेत्रीय अखंडता की सुरक्षा सुनिश्चित की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गतिशील नेतृत्व में भारत वैश्विक मंच पर एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में उभरा है। गलवान और डोकलाम की घटनाओं ने न केवल भारत के सशस्त्र बलों की बहादुरी और अनुशासन को उजागर किया है, बल्कि सीसीपी की दमनकारी और विस्तारवादी प्रवृत्तियों को भी उजागर किया है। गलवान संघर्ष के साथ-साथ पहले के डोकलाम गतिरोध ने भारतीय सेना की अत्यधिक व्यावसायिकता को उजागर किया है। हमारे सैनिकों ने अकारण आक्रमण के खिलाफराष्ट्र की संप्रभुता की रक्षा करने में अटूट साहस और रणनीतिक कौशल का प्रदर्शन किया। दुनिया ने देखा कि भारत मजबूती से खड़ा है, सम्मान और कर्त्तव्य में निहित सैन्य लोकाचार का प्रदर्शन कर रहा है। इसके विपरीत गलवान के बाद, दुनिया ने चीनी रंगरूटों के दु:खद वीडियो भी देखे, जिनमें से कई को सीसीपी के दमनकारी शासन के तहत जबरन भर्ती किया गया है। ये युवक अक्सर आंसू बहाते और अनिच्छुक भर्ती किए होते हैं। चीनी नागरिकों की दुर्दशा को अपनी सरकार की सत्तावादी सनक के अधीन करते हैं। भारतीय सैनिकों की स्वैच्छिक वीरता और चीनी रंगरूटों की जबरन सेवा के बीच यह अंतर दोनों देशों के बीच शासन और मानवाधिकारों में मूलभूत अंतर के बारे में बताता है। गलवान संघर्ष के जवाब में, भारत ने अपनी रणनीतिक क्षमताओं को बढ़ाने के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाएं शुरू की हैं। सभी मौसम की सडकों, उन्नत रसद सुविधाओं के विकास और दौलत बेग ओल्डी हवाई पट्टी जैसी रणनीतिक संपत्तियों की वसूली ने हमारी रक्षा मुद्रा को मजबूत किया है। ये पहलें हमारे सशस्त्र बलों के लिए तेजी से समर्थन सुनिश्चित करती हैं, जिससे भविष्य के किसी भी खतरे का मुकाबला करने के लिए हमारी तत्परता को मजबूती मिलती है। सीसीपी की अमानवीय प्रथाएं उसकी सैन्य नीतियों से कहीं आगे तक फैली हुई हैं। दुनिया ने शिनजियांग में उइगर मुस्लिम आबादी के व्यवस्थित उत्पीडऩ को बढ़ते आतंक के साथ देखा है। सामूहिक हिरासत, जबरन श्रम और गंभीर मानवाधिकारों के हनन की रिपोर्ट एक तत्काल अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया की मांग करती है। ये कार्रवाइयां मानवता और न्याय के सिद्धांतों के विपरीत हैं। अपनी सीमाओं के भीतर असंतोष के दमन और वियतनाम, फिलीपींस, जापान, दक्षिण कोरिया, ताइवान और मंगोलिया जैसे पड़ोसी देशों के साथ कुख्यात रणनीति देखी है। चीन की कुख्यात रणनीति इसकी सीमाओं से परे फैली हुई है, जो पड़ोसी देशों के साथ अपने संबंधों को प्रभावित करती है। वियतनाम, फिलीपींस, जापान, दक्षिण कोरिया और ताइवान, ये राष्ट्र लगातार चीन के आक्रामक क्षेत्रीय दावों और सैन्य रुख का सामना करते हैं। दक्षिण चीन सागर विवाद अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून के लिए चीन की अवहेलना का उदाहरण है। मंगोलिया पर चीन की सीसीपी द्वारा अपने पड़ोसियों पर हावी होने के लिए नियोजित आर्थिक जबरदस्ती की व्यापक रणनीति को रेखांकित करता है। वुहान वायरोलॉजी लैब के विवादास्पद संचालन से लेकर अपने ही नागरिकों पर चल रही क्रूरता और दमन शामिल है। यह वर्षगांठ चीन की आंतरिक और बाहरी आक्रामकता पर व्यापक प्रवचन का आह्वान करती है, जो इस तरह की प्रथाओं के खिलाफवैश्विक एकजुटता की आवश्यकता को उजागर करती है। वुहान वायरोलॉजी लैब के आसपास की हालिया घटनाओं और पीएलए के शीर्ष स्तर के अधिकारियों, और बिजनेस टाइकून की आंतरिक क्रूरता से शासन की निरंकुश और दमनकारी प्रकृति को उजागर किया है। आंतरिक रूप से सत्ता पर सीसीपी की पकड़ असंतोष के दमन और राजनीतिक विरोधियों के उत्पीडऩ के माध्यम से बनी हुई है। उच्च स्तरीय मंत्रियों, पीएलए के शीर्ष अधिकारियों और उद्योगपतियों को शासन को चुनौती देने के लिए गंभीर नतीजों का सामना करना पड़ता है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों के बजाय भय और नियंत्रण में निहित शासन मॉडल को दर्शाता है। इधर भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गतिशील नेतृत्व में एक वैश्विक नेता के रूप में भारत का उदय विशेष रूप से उल्लेखनीय है। जी-20 शिखर सम्मेलन में भारत की सफल मेजबानी तथा अफ्रीकी संघ को सदस्य के रूप में शामिल करना वैश्विक सहयोग और विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।धीमी विश्व अर्थव्यवस्था के बीच विश्व स्तर पर उच्चतम आर्थिक विकास दर के साथ दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में भारत को अपने स्थिर और प्रगतिशील नेतृत्व के लिए तेजी से पहचाना जाता है। पर्यटन को बढ़ावा देने और सीमावर्ती क्षेत्रों के सामाजिक-आर्थिक ताने-बाने को मजबूत करने के लिए भारत ने 'वाइब्रेंट विलेज' कार्यक्रम शुरू किया है। सीमा पर पहले गांव को सांस्कृतिक और आर्थिक गतिविधियों के केंद्र में बदलकर, यह पहल न केवल स्थानीय आजीविका को बढ़ाती है।

अर्थव्यवस्था को मजबूती देते प्रवासी भारतीय

डा. जयंतीलाल भंडारी

इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि अभी भारत के द्वारा अपने प्रवासियों के दुख-दर्दों को कम करने में और अधिक सहयोग किया जाना होगा। भारत सरकार की और अधिक सक्रियता जरूरी है। हम उम्मीद करें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में एनडीए गठबंधन की नई सरकार के द्वारा प्रवासियों के साथ स्नेह व सहभागिता के नए अध्याय लिखे जा सकेंगे हाल ही में 27 जून को यूनाइटेड नेशंस माइग्रेशन एजेंसी के द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय प्रवासियों के द्वारा वर्ष 2023-24 में भेजा गया रेमिटेंस (प्रवासियों के द्वारा अपने घर भेजा गया धन) दुनिया के किसी भी देश के मुकाबले सबसे ज्यादा है। पिछले वर्ष में यह रेमिटेंस 107 अरब डॉलर यानी 8.95 लाख करोड़ रुपए की ऊंचाई पर है। खास बात यह है कि पिछले वर्ष में भारतीयों द्वारा भेजी गई यह रकम प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) से लगभग दो गुना है। यह लगातार दूसरा साल है, जब भारतीयों ने 100 अरब डॉलर से ज्यादा की धनराशि भारत भेजी है। पिछले वर्ष 2022-23 में भारतीय प्रवासियों ने 111 अरब डॉलर का रेमिटेंस भारत भेजा था। ज्ञातव्य है कि भारत के बाद मैक्सिको, चीन, फिलीपींस और फ्रांस सबसे ज्यादा रेमिटेंस प्राप्त करने वाले देश हैं। यह भी कोई छोटी बात नहीं है कि पिछले एक दशक में भारत में लगातार अन्य देशों के मुकाबले रेमिटेंस सबसे अधिक रहा है। भारत में वर्ष 2010 में रेमिटेंस के तौर पर 53.48 अरब डॉलर आए थे। वहीं ये वर्ष 2015 में बढक़र 68.19 अरब डॉलर और वर्ष 2020 में 83.15 अरब डॉलर हो गए हैं। प्रवासी भारतीयों की से भारत भेजा गया धन वर्ष 2021-22 में 83.57 अरब डॉलर था। प्रवासियों का यह धन जहां प्रवासियों के परिजनों को मुस्कुराहट दे रहा है, वहीं अर्थव्यवस्था के लिए भी लाभप्रद है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि जब कोविड-19 के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था 7.3 फीसदी की ऋणात्मक विकास दर की स्थिति में पहुंच गई थी और बड़ी संख्या में उद्योग-कारोबार बंद होने के कारण देश में आर्थिक-सामाजिक परेशानियां बढ़ गई थीं, उस समय आर्थिक मुश्किलों के बीच भारतीय प्रवासियों के द्वारा भेजी गई बड़ी धनराशि से भारतीय अर्थव्यवस्था को बड़ा सहारा मिला था। गौरतलब है कि दुनिया में प्रवासी भारतीयों की संख्या करीब एक करोड़ 80 लाख है। दुनियाभर में सबसे ज्यादा प्रवासी भारत के हैं। सबसे ज्यादा भारतीय प्रवासी संयुक्त अरब अमीरात, संयुक्त राज्य अमेरिका और सऊदी अरब में रहते हैं। पहले जहां भारत से अकुशल श्रमिक कम आय वाले खाड़ी देशों में जाते थे, वहीं अब विदेश जाने वाले भारतीयों में हाई स्किल्ड लोगों की संख्या ज्यादा है जो अमेरिका, इंग्लैंड, सिंगापुर, आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे उच्च आय वाले देशों में जा रहे हैं। ऐसे में वे अधिक कमाई करके अधिक धन भारत भेज रहे हैं। नि:संदेह प्रवासी भारतीय भारत की राजनीतिक, आर्थिक और कारोबारी शक्ति बढ़ाने में भी अहम सहयोग कर रहे हैं। यह कोई छोटी बात नहीं है कि दुनिया के कोने-कोने में भारतवंशी और प्रवासी भारतीयों की राजनीतिक, आर्थिक और कारोबारी क्षेत्रों में तेजी से बढ़ती ऊंचाइयां भारत के तेज विकास के मद्देनजर महत्वपूर्ण हो गई हैं। सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन शनमुगरत्नम, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, आयरलैंड के प्रधानमंत्री लियो वराडकर, पुर्तगाल के प्रधानमंत्री एंटोनिया कोस्टा, अमेरिका की पहली महिला और पहली अश्वेत उपराष्ट्रपति कमला हैरिस, गुयाना के राष्ट्रपति मोहम्मद इरफान अली, मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद जगन्नाथ और राष्ट्रपति पृथ्वीराजसिंह रूपुन, सूरीनाम के राष्ट्रपति चंद्रिका प्रसाद संतोखी के साथ-साथ दुनिया के अनेक देशों में कई और भारतवंशी राजनेता अपने-अपने देशों को आगे बढ़ाते हुए विश्व के समक्ष भारत के चमकते हुए चेहरे हैं। इतना ही नहीं, दुनिया के विभिन्न देशों में राजनीति की ऊंचाइयों पर पहुंचने के साथ-साथ भारतवंशी व प्रवासी भारतीय वैश्विक आर्थिक व वित्तीय संस्थानों आईटी, कम्प्यूटर, मैनेजमेंट, बैंकिंग, वित्त आदि के क्षेत्र में भी बहुत आगे हैं। माइक्रोसॉफ्ट के सत्य नडेला, गूगल के सुंदर पिचाई, नोवार्टिस के वसंत नरसिम्हन, एडोब के शांतनु नारायण, आईबीएम के अरविंद कृष्णा, स्टारबक्स के लक्ष्मण नरसिम्हन, वर्टेक्स फार्मास्यूटिकल्स के रेशमा केवलरमानी, माइक्रोन टेक्नोलॉजी के संजय मेहरोत्रा, कैडेंस डिजाइन सिस्टम के अनिरुद्ध देवगन, पालो अल्टो नेटवर्क के निकेश अरोड़ा, वीएमवेयर के रंगराजन रघुराम, इमर्सन इलेक्ट्रिक कंपनी के सुरेंद्रलाल करसनभाई, माइक्रोचिप प्रौद्योगिकी के गणेश मूर्ति आदि अपनी प्रतिभाएं कौशल से कारोबार और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दुनिया की अगुवाई कर रहे हैं और भारत के विकास के सहभागी भी बन रहे हैं। इस समय 18वीं लोकसभा के चुनाव के बाद भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल की एनडीए गठबंधन सरकार बनने के बाद प्रवासियों का कहना है कि एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी की नई सरकार से प्रवासियों को भारत के विकास में सहयोग और सहभागिता करने के मद्देनजर नई ऊर्जा प्राप्त होगी। अमेरिका में कार्यरत भारतीय अमेरिकी डेमोक्रेटिक फंडराइजर तथा भारत हितैषी प्रवासियों के विभिन्न संगठनों का कहना है कि पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री मोदी ने दुनिया के आर्थिक और राजनीतिक मंचों पर जिस तरह भारत की सफलताओं का परचम फहराया है।

दैनिक
विश्व परिवार

संक्षिप्त समाचार

गणाचार्य श्री विराग सागर जी का हुआ महाप्रयाण जैन परंपरा के इतिहास में एक और क्षति

विदिशा (विश्व परिवार)। संत शिरोमणिआचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के महाप्रयाण को अभी तक हम लोग भूल भी नहीं पाये थे कि जिन शासन का एक और सूर्य गणाचार्य श्री विराग सागर जी महाराज ने इस नश्वर देह को त्याग कर इस संसार से विदा ले ली। सकल दि. जैन समाज विदिशा के प्रवक्ता अविनाश जैन ने बताया प्रातःकाल के अंतिम पहर में 2:30 बजे गणाचार्य विरागसागर जी महाराज ने समाधि ले ली समाचार बहुत दुःखद था एवं समूचा भक्त स्तब्ध रह गया।नगर विदिशा के श्री शांतिनाथ जिनालय में गणाचार्य श्री विराग सागर जी महाराज के श्री चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुये आचार्य श्री निर्भयसागर जी महाराज के शिष्य मुनि श्री सुदत्त सागर जी मुनि श्री भू दत्त सागर जी एवं क्षुल्लक श्री चद्रदत्त सागर जी महाराज मुनिसंघ के सानिध्य में विनयांजलि सभा रखी गई। विनयांजलि सभा को विदिशा सकल दि. जैन समाज की ओर से एस एस एल जैन ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय सेठ, मुनिसेवक संघ के सुनील मेमसाब सहित कयी श्रावक श्रेष्ठियों ने श्रद्धांजलि अर्पित कर गणाचार्य विरागसागर जी महाराज को याद किया। महेंद्र जैन विदिशा ने संचालन किया प्रवक्ता अविनाश जैन बताया गणाचार्य विरागसागर जी महाराज का सानिध्य विदिशा बासिओं को 8 दिन का 2013 में मिला था आपके साथ 69 पिच्छीका दिनांक 17 दिसंबर 2013 को भोपाल रोड से आऐ थे एवं अरिहंत विहार में8 दिन धर्मप्रभावना उपरांत 24 दिसंबर को आपका विहार सागर रोड़ पर हुआ था।आपका जीवन परिचय देते हुये बताया आपका जन्म 2 मई 1963 को मध्य प्रदेश के पथरिया नगरी के श्रावक श्रेष्ठी श्री कपूर चंद जी एवं माता श्यामा देवी के परिवार में हुआ एवं 17 वर्ष की उम्र में गृह त्याग कर आचार्य सन्मति सागर जी महाराज से 2 फरवरी1980 को बुढ़ार मध्यप्रदेश में क्षुल्लक दीक्षा धारण की तथा 9 दिसंबर 1983 में आचार्य विमलसागर जी महाराज से महाराष्ट्र केऔरंगाबाद में भव्य जैनेश्वरी दीक्षा ली, तथा 8 नवम्बर 1992 में द्रोणगिरि जिला छतरपुर मध्यप्रदेश में आचार्य पद ग्रहण करने के पश्चात एक बड़ा यति संघ स्थापित किया जो वर्तमान में जैन धर्म की महती प्रभावना कर रहा हैं जिसमें आचार्य विशुद्ध सागर जी, आचार्य विभव सागर जी, आचार्य विनम्र सागर जी, सहित नौ आचार्य है, आपने अपने जीवनकाल में 427 दीक्षाऐं प्रदान की जिसमें 83 मुनि4 गणनी आर्यिका69 आर्यिका 5 ऐलक एवं 25 क्षुल्लक25क्षुल्लिकाऐं शामिल है। आपके संघ सानिध्य में वर्ष 2023 में विरागोदय तीर्थ पथरिया में युगप्रतिक्रमण विशाल संत सम्मेलन हुआ था जिसकी चर्चा सर्वत्र हुई थी। **-अविनाश जैन**

मुनि श्री आगम सागर जी महाराज ने कहा- गुरु जी की समाधी स्थल पर बैठने से संयम और त्याग का भाव आयेगा

डोंगरगढ़ (विश्व परिवार)। आप लोग जो यहाँ प्रतिदिन चन्द्रगिरी में भगवान के अभिषेक, पूजन, आरती के पश्चात आचार्य श्री जी कि समाधी स्थल (निसिद्धिका) पर संगीतमय, भावपूर्ण उनकी पूजन और आरती करते हैं। जिसके लिये यहाँ कि कमेटी को भरपूर आशीर्वाद प्रदान करते हैं। अपनी प्रज्ञा का उपयोग करके जो काम शुरू किया है। यहाँ आने वाले भक्तों के लिये वरदान का काम करेगा। हमने स्वयं गुरु जी के चरणों में रहकर देखा है कि जो भी मनोकामनायें मन में हो सब पूर्ण हो जाती है। इसी प्रकार यहाँ समाधी स्थल (निसिद्धिका) पर आकर वंदना करने से भी सभी कि मनोकामनायें पूर्ण होंगी और पुण्य लाभ भी होगा। गुरु जी ने संलेखना लेकर उत्कृष्ट समाधी मरण किया है। त्यागी, तपस्वी भी यहाँ आकर अपना जीवन सफल करेंगे। शास्त्रों में आता है कि तीर्थंकरों के निर्वाण स्थल को निसिद्धिका कहते हैं उसी प्रकार गुरु जी कि यह समाधि स्थल भी निसिद्धिका ही है। संत शिरोमणि 108 आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ने आरम्भ, परिग्रह, उपाधि आदि छोड़कर अपने अंतिम लक्ष्य को साधा है। वैसे ही हम भी रत्नत्रय धारण कर अपनी आत्मा को ऊंचाई प्रदान करें। यहाँ पर बैठकर निश्चित ही संयम और त्याग का भाव आयेगा। श्री दिगम्बर जैन चंद्रगिरी अतिशय तीर्थ क्षेत्र के अध्यक्ष सेठ सिंघई किशोर जैन ने बताया कि महाराज जी द्वारा 8 से 16 वर्ष के बच्चों का उपनयन संस्कार श्री दिगम्बर जैन चंद्रगिरी अतिशय तीर्थ क्षेत्र में दिनांक 11/07/2024 को होगा। जिसमे आप सभी सपरिवार उपस्थित होकर धर्म लाभ लेवें। बच्चों का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन चालू है। उक्त जानकारी **निशांत जैन (निशु)** द्वारा दी गयी है।

श्रमण संस्कृति के एक और दैदीप्यमान नक्षत्र का अवसान, गणाचार्य विराग सागर जी महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित

गणाचार्य विरागसागर जी महाराज का हुआ समाधिमरण, अपूरणीय क्षति

आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी होंगे पट्टाचार्य

प्रागैतिहासिक क्षेत्र नवागढ़ ने दी भावभीनी विनयांजलि

ललितपुर (विश्व परिवार)। दिगम्बर जैन परंपरा के प्रमुख संत गणाचार्य श्री विरागसागरजी महामुनिराज 4 जुलाई 2024 को मध्य रात्रि लगभग 2:30 बजे महाराष्ट्र में समाधि हो गई हैं। जैसे ही यह खबर लगी पूरे देश के श्रद्धालु शोक में डूब गए। अचानक आचार्यश्री के जाने से जैन श्रमण संस्कृति के लिए बहुत बड़ा आघात पहुँचा है। आचार्य श्री की जन्मभूमि पथरिया जिला दमोह है। प्रागैतिहासिक अतिशय क्षेत्र नवागढ़ में पंडित गुलाबचंद पुष्प प्रतिष्ठाचार्य की स्मृति में संचालित श्री नवागढ़ गुरुकुलम एवं नवागढ़ समिति के द्वारा बुंदेलखंड के प्रथम आचार्य श्री विराग सागर महाराज के आकस्मिक समाधिस्थ होने के इस असीम वेदना के क्षणों में उनको श्रद्धांजलि समर्पित की गई।

61 वर्षीय आचार्य श्री विराग सागर जी महाराज का महाराष्ट्र के जालना में पद विहार चल रहा था। उनके अकस्मात समाधि की सूचना से सभी स्तब्ध रह गए। आचार्य श्री के 500 से अधिक शिष्य प्रशिष्य थे। उन्होंने अनेक कृतियों का प्रणयन किया। अनेक बार आचार्यश्री का ललितपुर व जनपद के विभिन्न स्थानों पर प्रवास रहा, उनके सान्निध्य में अनेक प्रभावनामयी आयोजन हुए। आचार्य श्री को शायद आभास हो गया था इसलिए उन्होंने एक दिन पूर्व ही अपने अंतिम संबोधन में जहाँ पट्टाचार्य का पद आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज को देने की घोषणा की वहीं सभी से क्षमा भी मांगी। आचार्यश्री की समाधि पर प्रागैतिहासिक अतिशय क्षेत्र नवागढ़ द्वारा भावभीनी विनयांजलि, श्रद्धांजलि दी गई। निर्देशक ब्र. जय कुमार निशान्त भैया, अध्यक्ष एडवोकेट सनत जैन, महामंत्री वीरचन्द्र जैन नेकौरा, प्रचार मंत्री डॉ सुनील संचय, कोषाध्यक्ष आनंदी लाल लुहर्रा, पंडित इंद्रकुमार सिंघई सहित शिक्षक श्रीमती प्रियंका जैन, संजय जैन, विनीत जैन, सजल जैन, अंकितजैन ने गणाचार्य महाराज के द्वारा किए गए उपकारों का स्मरण करते हुए इसे महान क्षति बताया।

वक्ताओं ने कहा कि अभी फरवरी में ही संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्या सागर जी महाराज की समाधि से हम उभर नहीं पाए थे कि अब एक और सूर्य अस्त हो गया है। इससे बहुत ही बड़ा आघात पहुँचा है।श्रमण संस्कृति के एक और दैदीप्यमान नक्षत्र का जाना हम सभी के लिए बहुत बड़ी क्षति है।बुंदेलखंड में विशेष प्रभावना करने वाले द्विशताधिक दीक्षा प्रदाता गणाचार्य विराग सागर महाराज का उपकार श्रावक कभी नहीं चुका पाएंगे उनके द्वारा जो श्रमण संस्कृति को अवदान एवं वरदान प्राप्त हुआ है वह हमेशा याद रहेगा।

सभा का संचालन वीर चंद्र नेकोरा ने संपन्न किया। नवागढ़ गुरुकुलम के बच्चों ने मंगलाचरण करते हुए विराग सागर महाराज के दर्शन के संस्मरण सुनाते हुए उनके प्रति विनयांजलि समर्पित की। नवागढ़ गुरुकुलम, नवागढ़ समिति, पंडित गुलाबचंद स्मृति ट्रस्ट सभी ने सामूहिक रूप से श्रद्धांजलि समर्पित कर अपना विनय भाव निवेदित किया। **-सुनील संचय**

केवल उन्हीं मंदिरों में आज भीड़ है जहां सुख मिलता है, सांसारिक जीवन छुड़ाने वाला मंदिर किसी को पसंद नहीं : श्री विरागमुनि जी

रायपुर (विश्व परिवार)। जैन दादाबाड़ी में आज से दस दिनों के बाद 15 जुलाई को जैन संत श्री विरागमुनि जी का भव्य प्रवेश होगा। मुनिजी का रायपुर प्रवेश हो चुका है और वे जिनवाणी की वर्षा करते हुए शहर के श्रावक-श्राविकाओं को लाभान्वित कर रहे हैं। जिनवाणी की वर्षा के क्रम में गुरूवार को दीर्घ तपस्वी श्री विरागमुनिजी के श्रीमुख से भाठागांव स्थित वॉलफोर्ट सिटी में बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने प्रवचन का लाभ लिया। रायपुर शहर में चल रहे प्रवचन की श्रृंखला के दौरान उन्होंने कहा कि अनादि काल से मिथ्या ने अपना साम्राज्य फैला कर रखा है। हम परमात्मा को खोज रहे है लेकिन हमें कौन चाहिए, जो सुख दे या जो संसार छुड़ा कर मोक्ष दिलाए। आज सिर्फ उन्हीं मंदिरों में भीड़ है जहां सुख मिलता है। सुखों को छुड़ाने वाला मंदिर किसी को पसंद नहीं। जहां सुख है वहां हमें दुख दिखता है और जहां दुख है वहां हमें सुख दिखता है। हम धर्म के तथ्यों को ठीक से समझ नहीं पाए, सारी दुनिया घुमकर भी हमें सुख नहीं मिला और हम उलझकर रह गए।

गुरु भगवंतों को भी डिस्काउंट नहीं, सभी जीवों से लेते है एनओसी : गुरु भगवंत ने आगे कहा कि हम प्रवचन में आते है और सिर्फ प्रवचन सुनने तक ही धार्मिक बने रहते है और बाहर जाकर सब भूल जाते हैं। हम एक कान से सुनकर दूसरे कान से निकाल देते है क्योंकि कोई हमें प्रैक्टिकल अनुभूति नहीं करवाता। आज सबको प्रैक्टिकल देखना है केवल प्रवचन जैसे धर्म की थ्योरी वाली बात सुनकर नहीं रहना है। आप लोगों को लगता होगा कि यहां बैठकर प्रवचन करने वाले गुरु भगवंतों ने दीक्षा ले ली है तो उन्हें डिस्काउंट मिल गया होगा और उनको मोक्ष को प्राप्त करना सुनिश्चित हो गया होगा। जबकि ऐसा नहीं है मोक्ष पाने के लिए हमें इस संसार के सभी जीवों से एनओसी लेना पड़ेगा। अगले जन्म में अगर पेड़ भी बनते हो तो उसमें भी तुलसी बनोगे तो ही पूजा जाओगे, अन्य पेड़ बनोगे तो और लोग काट कर जला देंगे। वैसे ही व्यक्ति अपने सुखों के लिए ना जाने कितने जीवों का खात्मा कर देता है और उसे कोई फर्क नहीं पड़ता। अपने जीभ के स्वाद के लिए कई जीवों का खात्मा भी करना पड़े तो भी वह करता है पर खाना नहीं छोड़ता, खाने का हर स्वाद उसे चाहिए। इन सारी चीजों के बारे में आपने पहले भी सुन चुका है और यह सब आप जानते भी हो फिर भी आप पाप करते वक्त चिंतन नहीं करते हो।

भगवान से मांगने से पहले अपने अंदर झांककर देखो : गुरु भगवंत कहते है कि आपको अपने अंदर परिवर्तन लाना है, आपको विचारशील बनना है। आप रोज पूजा करके भगवान से मांगते हो पर अपनी आत्मा को झांककर नहीं देखते, आपके अंदर ही सुधार नहीं है तो आपको कभी कुछ मिलने वाला नहीं है। वैसे ही आप कितना भी धन कमा लो अगर अगले जन्म में गधे बन गए तो आपको जीवनभर ढोना ही पड़ेगा। केवल धर्म कमाने के लिए पूजा ही काफी नहीं आपको पुण्य भी करना होगा।

जीवन की उपयोगिता का परिचायक जीवन की लंबाई नहीं गहराई होती है : मुनिश्री प्रतीक सागर जी

दिल्ली (विश्व परिवार)। आपके व्यक्तित्व का परिचय संपत्ति से नहीं आपके द्वारा अर्जित सम्मान के आधार पर होता है। जीवन की उपयोगिता लंबाई से नहीं गहराई से पहचानी जाती है। क्रांतिकारी मुनि श्री प्रतीक सागर महाराज ने जीवन की उपयोगिता को समझाते हुए बताया कि संतान को संपत्ति वान बना पायें या न बना पायें मगर संस्कार वान अवश्य बनाएं।

दिल्ली महरौली की अहिंसा स्थली में अपने प्रवचन में बताया कि ढाई हजार वर्ष से भी अधिक काल बीत गया, भगवान महावीर को मोक्ष गये, उन्होंने विवाह नहीं किया, संतानोत्पत्ति नहीं की मगर उनका वंश आज भी उनकी विरासत को आगे बढ़ा रहा है। उनके गुणों का प्रकाश आज भी सभी को प्रकाशित कर रहा है। आप विवाह कर संतान उत्पत्ति करते हो, मगर आपका वंश आपकी परंपरा के अंश को आगे बढ़ाये ये निश्चित नहीं है।

मुनिश्री प्रतीक सागर ने बताया कि ये महत्वपूर्ण नहीं है कि आपने कितना खाया वरन् यह महत्वपूर्ण है कि आपने कितना पचाया।जीवन लंबाई से नहीं गहराई से पहचाना जाता है। भगवान महावीर ने तीस वर्ष की आयु में मुनव्रत धारण कर बारह वर्ष तक तप किया, 42 वर्ष की आयु में केवलज्ञानी प्राप्त कर तीस वर्ष तक जगत कल्याण कर मात्र 72 वर्ष की आयु में निर्वाण पा लिया। जीवन तो मात्र 72 वर्ष का ही था मगर उपलब्धि अमर हो गई। मुनिश्री ने बताया कि महापुरुष जीवन की लंबाई से नहीं काम की गहराई से अमर हो जाते हैं।

आपने दिल्ली की युवा पीढ़ी को जैन मुनियों के विहार में साथ चलने की प्रेरणा देते हुए कहा कि ये संस्कार देना माता पिता का कर्तव्य है, आप लौकिक शिक्षा के लिये बच्चों पर दबाव बनाते हो और बच्चे उच्च शिक्षा प्राप्त कर विदेशों में बसे जाते हैं। आप वृद्धावस्था में आकर कहते हो महाराज हमारे बच्चे हमें छोड़ कर चले गए, हमारी सुनते ही नहीं, मैं पूंछता हूं इन माता-पिता से जब हम समझाते थे तब तुम नहीं सुनते थे कि बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कार दो तब आप नहीं सुनते थे, अब वे आपकी नहीं सुनते। **-वेदचन्द जैन**

दूसरे सप्ताह भी मुख्यमंत्री...पेज-01 का शेष

मुख्यमंत्री श्री साय ने जनदर्शन कार्यक्रम के दौरान दिव्यांगजनों के पास पहुंचकर उनसे मुलाकात की। उनसे आवेदन लिए और मौके पर ही ट्राईसायकल सहित अन्य सहायक उपकरण प्रदान किए। बागबाहरा वन क्षेत्र में निवासरत कमार परिवारों के बेदखली की नोटिस की जांच के निर्देश वन अधिकारियों को दिए। रायपुर के अशोका रतन कॉलोनी के समीप की सड़क की मरम्मत कराने तथा आरक्षक भरत लाल बरेठ के किडनी प्रत्यारोपण एवं इलाज के बकाया देयक के भुगतान के संबंध में उचित कार्यवाही के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने मोती लाल पटेल की 5 साल की बेटी डॉली जो थैलेसीमिया से पीड़ित है, उसके इलाज की व्यवस्था के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने सक्ती जिले के मालखरौदा के ग्राम परसा की रहने वाली कैंसर पीड़ित मितानीन उर्मिला देवी को इलाज के लिए मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना से मदद देने की बात कही।

मुख्यमंत्री के जनदर्शन का असर मैदानी स्तर पर दिखने लगा है। राजधानी रायपुर से सटे सेजबहार के युवा किसान ललित साहू अपने गांव के अन्य किसानों के साथ आज प्रदेश के संवेदनशील मुखिया श्री विष्णु देव साय को धन्यवाद देने आए थे। उन्होंने और उनके साथी किसानों ने मुख्यमंत्री निवास में आयोजित जनदर्शन में मुख्यमंत्री श्री साय से मुलाकात कर अपने खेतों से लगी शासकीय जमीन के कब्जामुक्त होने के बाद खेत आने-जाने के लिए पुन: रास्ता मिल जाने पर मुख्यमंत्री के प्रति आभार प्रकट किया। सेजबहार के किसान ललित साहू, कामता प्रसाद, शारदा राम साहू, लाकेश्वर प्रसाद साहू और कामता प्रसाद साहू विगत 27 जून को मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के पहले जनदर्शन में अपनी समस्या लेकर आए थे। उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया था कि उनके खेतों से लगे सरकारी जमीन पर कुछ लोग अतिक्रमण कर अवैध प्लाटिंग कर रहे हैं। इससे उनके खेत आने-जाने का रास्ता बंद हो गया है। इस पर मुख्यमंत्री ने त्वरित कार्रवाई का भरोसा दिलाया था। उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि एसडीएम, तहसीलदार और राजस्व अमले की टीम ने गांव पहुंचकर शासकीय भूमि को कब्जामुक्त करा लिया है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./12355/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 01-07-2024

इशितहार

नामांतरण प्र.क्र. 12355
वार्ड का नाम- 16 - वीर शिवाजी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 16 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR107L489AJ** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **VASUDEV PATEL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KHIMJI BHAI PATEL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **PRAVEEN KUMAR** पिता/ पति, श्री/श्रीमती **MADHUR KUMAR DILLIWAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./12354/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 01-07-2024

इशितहार

नामांतरण प्र.क्र. 12354
वार्ड का नाम- 16 - वीर शिवाजी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 16 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR107L489AK** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **VASUDEV PATEL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KHIMJI BHAI PATEL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **CHANDRESH PITRODA** पिता/ पति, श्री/श्रीमती **RAMESH BHAI PITRODA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./12623/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 03-07-2024

इशितहार

नामांतरण प्र.क्र. 12623
वार्ड का नाम- 16 - वीर शिवाजी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 16 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR107L489AN** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **VASUDEV PATEL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KHIMJI BHAI PATEL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MANISHA PATEL** पिता/ पति, श्री/श्रीमती **KARTIK PATEL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./12624/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 04-07-2024

इशितहार

नामांतरण प्र.क्र. 12624
वार्ड का नाम- 16 - वीर शिवाजी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 16 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR107L489AO** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **VASUDEV PATEL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KHIMJI BHAI PATEL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **भाग्यश्री पटेल** पिता/ पति, श्री/श्रीमती **कुशल पटेल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./12622/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 03-07-2024

इशितहार

नामांतरण प्र.क्र. 12622
वार्ड का नाम- 16 - वीर शिवाजी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 16 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR107L489AM** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **VASUDEV PATEL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KHIMJI BHAI PATEL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **DEEPA BEN PATEL** पिता/ पति, श्री/श्रीमती **PUSHPAK PATEL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./12403/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 01-07-2024

इशितहार

नामांतरण प्र.क्र. 12403
वार्ड का नाम- 16 - वीर शिवाजी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 16 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR107L0489S** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **DURGI AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE HIRA LAL AGRAWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **HEMLATA BEN POKAR** पिता/ पति, श्री/श्रीमती **ARJUNBHAI POKAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./12365/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 01-07-2024

इशितहार

नामांतरण प्र.क्र. 12365
वार्ड का नाम- 16 - वीर शिवाजी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 16 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR107L489AL** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **VASUDEV PATEL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KHIMJI BHAI PATEL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **मीना अग्रवाल** पिता/ पति, श्री/श्रीमती **प्रदीप अग्रवाल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./12625/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 04-07-2024

इशितहार

नामांतरण प्र.क्र. 12625
वार्ड का नाम- 16 - वीर शिवाजी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 16 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR107L00499** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **D.D. KIRAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE D.M. RAO** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **BABLI JAYASWAL** पिता/ पति, श्री/श्रीमती **MAHESH PRASAD JAYASWAL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./12626/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 03-07-2024

इशितहार

नामांतरण प्र.क्र. 12626
वार्ड का नाम- 16 - वीर शिवाजी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 16 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR107L489AP** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **VASUDEV PATEL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KHIMJI BHAI PATEL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **PRAMEET SRIVASTAVA** पिता/ पति, श्री/श्रीमती **ADARSH KUMAR SRIVASTAVA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./12627/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 03-07-2024

इशितहार

नामांतरण प्र.क्र. 12627
वार्ड का नाम- 16 - वीर शिवाजी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 16 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR107L489AQ** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **VASUDEV PATEL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KHIMJI BHAI PATEL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SATYA NARAYAN SHAH** पिता/ पति, श्री/श्रीमती **LATE MOHAN LAL SHAH** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./12708/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 03-07-2024

इशितहार

नामांतरण प्र.क्र. 12708
वार्ड का नाम- 16 - वीर शिवाजी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 16 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR107L489AR** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **VASUDEV PATEL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KHIMJI BHAI PATEL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **JITENDRA VAISHNAV** पिता/ पति, श्री/श्रीमती **LATE SHANKAR VAISHNAV** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./12710/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 03-07-2024

इशितहार

नामांतरण प्र.क्र. 12710
वार्ड का नाम- 16 - वीर शिवाजी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 16 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR107I00010** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GULWANSHI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHIV SHANKAR SHARMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RINKI SINGH** पिता/ पति, श्री/श्रीमती **ADITYA SINGH** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

ईंट निर्माण कार्य ने महिलाओं के लिए खोली आत्मनिर्भरता की राह

अब जिले की हर एक महिला बन सकती है लखपति दीदी

दंतेवाड़ा(विश्व परिवार)। लगन सही हो तो आत्मनिर्भरता की राह स्वयं ही खुल जाती है। इस बात को जिला मुख्यालय के गीदम विकासखंड अंतर्गत 30 से 35 किलोमीटर दूरी पर हिड़पाल पंचायत में ग्राम माँ गौरी स्व-सहायता समूह की महिलाएं चरितार्थ कर रहीं हैं। सुदूर वनक्षेत्र में निवासरत ये ग्रामीण महिलाएं आज सीमेंट ईट बनाने जैसा श्रम साध्य कार्य को अंजाम देने में जुटी है। इस संबंध में पर 4-5 पुरूष मिस्त्रियों ने महिलाओं का इस काम में सहयोग करते हुए ईट बनाने के तैयारी के संबंध में समझाया फिर उन्हें ईट मशीन संचालन करना, रेत, डस्ट में सिमेंट की मात्रा की मिलावट के बारे में जानकारी दी। इस तरह 10 महिलाओं ने शुरूआती दौर में 500 ईंट निर्माण की तैयारी की। ईट निर्माण की प्राथमिक जानकारी मिलने से महिलाओं को सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि आने वाले समय पर वे स्वयं मशीन ऑपरेट कर सकेगी। इस संबंध में मॉ गौरी स्व सहायता समूह की महिलाओं ने इसे अब अपनी आजीविका का साधन बनाने का मन बना लिया हैं। ज्ञात हो कि राज्य सरकार की ओर से प्रधानमंत्री आवास निर्माण को प्राथमिकता दिए जाने से ग्रामीण क्षेत्रों में ईंट की मांग बढ़ गई है। ईंट निर्माण से जुड़ी मॉ गौरी स्व-सहायता समूह की कमला कुर्राम का इस संबंध मे कहना है कि ईंट निर्माण कार्य से जुड़ कर उन्हें बहुत अच्छा लग रहा है और काफी खुशी भी हो रही क्योंकि हमें कुछ नया सीखने को मिल रहा है। इस समूह के अन्य सदस्य तुलसी कश्यप ने बताया कि शुरूआत में नि:शुल्क डस्ट एवं सीमेंट जिला प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराया गया। ईंट बनाने के सांचे भी उन्हे राष्ट्रीय आजीविका मिशन के तहत प्राप्त हुए हैं। साथ ही ईंट बनाने के लिए प्रशासन की ओर से उन्हें प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। इसके लिए वह जिला प्रशासन के आभारी है। आने वाले समय पर रेती, डस्ट एवं सीमेंट की खरीदी का पूरा दारोमदार समूह पर रहेगा। समूह की अन्य महिला मंगलदई ने आगे और जानकारी देते हुए कहा कि मां गौरी स्व सहायता समूह के द्वारा बैंक से 3 लाख रूपये का ऋण भी लिया गया है। पहले हम सभी महिलाएं लाल ईंट निर्माण कार्य से जुड़ी हुई थी जिसमें मिट्टी को सान कर अच्छे से मिलाकर ईंट बनाया जाता था। अभी इस में फर्क इतना ही है कि मशीन के रेती, डस्ट, सीमेंट तीनों पदार्थों को एक साथ मिक्सर मशीन में डाल कर घुमाया जाता है और जिससे मिक्स होने के बाद उसे ईंट बनाने वाले मशीन में डाला जाता है। जिससे एक बार में 10 ईंट बन कर निकलती है। अंतत: यह निष्कर्ष निकालता है कि ईंट निर्माण के माध्यम से महिलाओं के लिए स्वरोजगार की एक और राह खुल गई है। इस प्रकार अब जिले की हर एक ग्रामीण महिला शासन की महत्वाकांक्षी लखपति दीदी योजना के तहत लखपति दीदी बनने का सपना साकार कर सकती है।

संक्षिप्त समाचार

कलेक्टर और सीईओ ने किया पौधरोपण

जगदलपुर(विश्व परिवार)। एक पेड़ माँ के नाम थीम पर कलेक्टर विजय दयाराम के. परिवार के साथ अपने शासकीय निवास के परिसर में पौधरोपण किया। इसी प्रकार जिला पंचायत सीईओ प्रकाश सर्वे ने भी अपने निवास में पौधरोपण किया। इस अवसर पर वन विभाग का अमला भी मौजूद रहा। ज्ञात हो कि विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान का शुभारंम्भ किया है। देशवासियों के साथ दुनियाभर के लोंगो से आग्रह किया है कि वे अपनी माँ के साथ मिलकर या उनके नाम पर एक पेड़ अवश्य लगाये। बस्तर में वन विभाग के सौजन्य से एक पेड़ माँ के नाम थीम पर नि:शुल्क पौधों का वितरण किया जा रहा है।बस्तर वनमंडल द्वारा 01 जुलाई से हरियाली प्रसार योजना के तहत भी पौधो का नि:शुल्क वितरण किया जा रहा है।

हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ शाला प्रवेश उत्सव

सुकमा(विश्व परिवार)। नए शिक्षा सत्र की शुरुआत को एक उत्सव के रूप में मनाते हुए आज बुधवार को विकासखंड मुख्यालय कोंटा के स्वामी आत्मानंद सभागार में विकासखंड स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर व फूल चढ़ाकर कार्यक्रम प्रारंभ किया गया तत्पश्चात सभी अतिथियों के द्वारा नन्हे मुन्ने बच्चे का तिलक चंदन लगाकर स्वागत किया गया एवं निशुल्क ड्रेस एवं पाठ्य पुस्तक का वितरण कर मीठा खिलाकर स्वागत किया गया। विकासखंड शिक्षा अधिकारी पी श्रीनिवास ने स्वागत प्रतिवेदन प्रस्तुत कर आकांक्षी विकासखंड कोंटा मे शिक्षा के क्षेत्र मे किये जा रहे प्रयासों एवं छात्र हित मे शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दिया। विकासखंड स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव के मुख्य अतिथि श्री धनीराम बारसे ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चे देश का भविष्य होते हैं जिस उम्मीद के साथ अभिभावक अपने बच्चों को विद्यालय भेजते हैं निश्चय ही इस उम्मीद की पूर्ति आप शिक्षक ही कर सकते हैं शिक्षक ही राष्ट्र के निर्माता होते हैं। उन्होंने कहा की शिक्षा के क्षेत्र आज सुकमा नित नये आयाम स्थापित कर रहा है,सुकमा की एक नई पहचान उभर कर सामने आ रहा है एक सुंदर सुकमा की परिकल्पना साकार हो रहा है। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए श्री सोयम मुका ने कहा की बच्चे कल देश संभालेंगे देश का भविष्य है उनकी नीव मजबूत होनी चाहिए हमारी सरकार सबको शिक्षा अच्छी शिक्षा देने का प्रयास कर रही है। इस अवसर पर उपस्थित श्री कोरसा सन्नू एवं नगर पंचायत अध्यक्ष कोंटा श्रीमती मौसम जया ने नव प्रवेशी विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए बच्चों को पढ़ लिखकर आगे बढने् की प्रेरणा दी एवं शिक्षा के महत्व को बताया। कार्यक्रम मे उपस्थित अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोंटा आकाश राव ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि नए प्रवेशी नन्हे बच्चों का निश्चय ही स्वागत होना चाहिए, इससे उनमे उत्साह बढ़ता है।

वन विभाग ने खैर की अवैध लकड़ी पकड़ी

रामानुजगंज(विश्व परिवार)। वन परिक्षेत्र धमनी के अंतर्गत ग्राम सुंदरपुर में सड़क से करीब डेढ़ सौ मीटर अंदर जंगल में छुपा कर बड़ी मात्रा में खैर के लकड़ी को तस्करी के लिए रखा गया था। जिसकी सूचना जब स्थानीय ग्रामीण से वन विभाग को मिली तो लकड़ी को जप्त कर वन विभाग के कार्यालय लाया गया।जप्त लकड़ी 11.235 घन मीटर बताई जा रही है जिनकी संख्या 200 है। जिसकी कीमत लाखों रुपए में बताई जा रही है। तस्करों को खैर की लकड़ी का मुंह मांगा कीमत मिलता है। गौरतलब है कि सुंदरपुर जंगल में छुपा कर बड़ी संख्या में खैर की लकड़ी रखी गई थी जब ग्रामीणों ने जब देखा तो तत्काल इसकी सूचना वन विभाग को दी सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर लकड़ी को जप्त किया। खैर की लकड़ी को छुपा कर अंतरराज्य तस्करों के द्वारा कुछ स्थानीय लोगों के सहयोग से गांव-गांव में जाकर खरीद कर धीरे-धीरे एक जगह जमा किया गया था। तस्करों के उठाने के पूर्व इस ग्रामीण देख लिया एवं इसकी सूचना वन विभाग को दे दी।बताया जा रहा है कि सुंदरपुर में खैर की इतनी लकड़ी नहीं है इसे धमनी, गड़गोड़ी सहित अन्य स्थानों से लाकर जमा किया गया था। रेंजर अजय वर्मा ने बताया कि खैर की लकड़ी को जप्त कर लिया गया है। आगे की कार्रवाई के लिए तहसीलदार को लिखित में सूचना दे दी गई है। खैर की लकड़ी लेने के लिए तस्कर रहते हैं सक्रिय, जंगल में नहीं है खैर का पेड़......... खैर पेड़ की मांग रहने के कारण वन माफिआओं के द्वारा जंगल को खैर पेड़ विहीन कर दिया गया है। अब खैर का पेड़ ग्रामीणों के खेतों में ही देखा जाता है तस्कर सक्रिय रहते हैं एवं घूम घूम कर खैर का पेड़ खोज कर ग्रामीणों से पैसा देकर खैर का पेड़ कटवा खरीद लेते हैं। जानिए क्यों रहती है खैर पर वन माफिआओं की नजर.......... खैर का पेड़ जंगलों से लुप्त हो गए इसका कारण है औषधीय गुण कत्था बनाने और चमड़ा उद्योग में उपयोग के लिए मांग होने की वजह से । उत्तर प्रदेश में काफी महंगे दाम पर खैर की लकड़ी बिकती है इसे किलो में लेते हैं।

कलेक्टर ने केरावाही में स्वास्थ्य जांच शिविर व आरोग्य मंदिर का किया निरीक्षण

कोंडागांव(विश्व परिवार)। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने बुधवार को केरावाही ग्राम पंचायत भवन में आयोजित स्वास्थ्य जांच शिविर तथा शामपुर में आरोग्य मंदिर का आकस्मिक निरीक्षण किया।उन्होंने केरावाही में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में पहुंचे सभी ग्रामीणों को स्वास्थ्य जांच का लाभ प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने यहां प्रदान किए जा रहे आयुष्मान कार्ड सेवा के संबंध में भी जानकारी ली। स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा बताया गया कि राशन कार्ड में नाम दर्ज नहीं होने अथवा आधार कार्ड अपडेट नहीं होने के कारण लगभग सौ हितग्राहियों का आयुष्मान कार्ड नहीं बन पाया है। कलेक्टर ने सभी हितग्राहियों का आयुष्मान कार्ड बनाने के साथ ही यहां आधार कार्ड अपडेट करने तथा राशन कार्ड में सदस्य के नाम जोड़ने हेतु संबंधित विभाग के कर्मचारियों को यहां सेवाएं प्रदान करने के निर्देश दिए। शामपुर स्थित आरोग्य मंदिर में कलेक्टर ने यहां उपलब्ध सेवाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने यहां प्रयोगशाला में सीबीसी की जांच की सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने इसके साथ ही यहां कोल्ड चैन प्वाईंट व प्रसुति कक्ष का निरीक्षण भी किया। उन्होंने यहां बेहतर चिकित्सा सुविधा प्रदान करते हुए क्षेत्रीय ग्रामीणों को अधिक से अधिक लाभान्वित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर अग्रवाल ने दो श्रद्धालु बस को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

रामलला दर्शन के लिए निकले जिले के 91 श्रद्धालु

गरियाबंद(विश्व परिवार)। राज्य शासन द्वारा राज्य के राम भक्तों के लिए नि:शुल्क अयोध्या धाम में श्रीराम के दर्शन भ्रमण हेतु श्री रामलला दर्शन योजना की शुरुआत की गई है,और सभी श्रद्धालुओं को ट्रेन के माध्यम से प्रत्येक जिलों से चयन कर उन्हें रामलला के दर्शन के लिए ले जाया जा रहा है। इसी क्रम में आज कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में गरियाबंद जिले से भी 91 श्रद्धालुओं का दूसरा जत्था का चयन किया गया जो आज सुबह वन विभाग के ऑक्शन हाल परिसर से 91 तीर्थ यात्रियों का दल श्री रामलला दर्शन (अयोध्या धाम) के लिए रवाना हुये।उनके साथ में श्रद्धालुओं के देख-देख के लिए तीन अनुरक्षक भी गये है। चयनित तीर्थ यात्रियों को बस से रायपुर के लिए रवाना किया गया।रायपुर रेलवे स्टेशन से स्पेशल ट्रेन द्वारा रामलला दर्शन (अयोध्या धाम) की यात्रा के लिए ले जाया जाएगा तथा यात्रा पश्चात तीर्थयात्रियों की बुधवार 7 जुलाई को वापसी होगी। कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल ने राम भक्तों को सुबह 8 बजे हरी झण्डी दिखाकर गाड़ी को रवाना किया। इस दौरान कलेक्टर ने यात्रियों को गुलाल लगाकर व पुष्पहार पहना शुभकामनाएं देते हुए सुखद एवं मंगलमय यात्रा की कामना की। श्रद्धालुओं ने इस योजना के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और जिला प्रशासन को धन्यवाद ज्ञापित किया और बताया कि इस योजना से हम लोगों का श्रीराम के दर्शन करने का सपना पूरा हो रहा है।इस दौरान रामलला दर्शन योजना कि जिले के सदस्यों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि श्री रामलला दर्शन योजना के तहत् श्रद्धालुओं को पूरा पैकेज मिलेगा। जिसमें छत्तीसगढ़ से अयोध्या जाने,वहां रहने की व्यवस्था,मंदिर दर्शन,नाश्ते और खाने की भी व्यवस्था रहेगी।इस ट्रेन में टूर एक्सपर्ट,सुरक्षा कर्मी और चिकित्सकों का दल भी मौजूद रहेगा।

चाय की दुकान हटाने पहुँचा राजस्व अमला पालिका अध्यक्ष गफ्फू मेमन ने रुकवाई कार्रवाई

गरियाबंद(विश्व परिवार)। 15 साल से काबिज चाय वाले के टपरा हटाने बुलडोजर लेकर पहूंची राजस्व अमला तो बचाव में पालिका अध्यक्ष आ गए सामने।,बगैर पूर्व सूचना,भरे बारिश में हो रही कार्यवाही से भड़के पालिका अध्यक्ष ने कार्यवाही रोक दोबारा टपरा बनवाया।अध्यक्ष बोले दोबारा तोड़े तो गरीब के न्याय के लिए जिला प्रशासन के खिलाफ धरने पर भी बैठ जाऊंगा। गरियाबंद जिला मुख्यालय में आज उस समय ऊहापोह की स्थिति बन गई जब कोतवाली के आगे मुख्य मार्ग पर एक चाय के खोमचे को हटाने राजस्व अमला बुलडोजर लेकर पंहुचा।यहा श्याम लाल सिन्हा द्वारा विगत 15 साल से भी ज्यादा समय से चाय व नाश्ते का दुकान लगाया जा रहा है।जिला प्रशासन इसी स्थल पर लाइब्रेरी बनाना चाह रही थी,जिसके लिए संचालक को बगैर कोई सूचना दिए आज राजस्व अमला बुलडोजर मशीन लेकर दुकान तोडना् शुरू कर दिया। सूचना मिलते ही पालिका अध्यक्ष गफ्फूमेमन मौके पर पहुंच कार्यवाही को रोका।इस बीच नायब तहसीलदार और पालिका अध्यक्ष के बीच काफी बहस हुई।अध्यक्ष ने बगैर पूर्व सूचना और पालिका को संज्ञान में लिए हो रही इस कार्यवाही को अवैध करार दिया।तीखी बहस के बाद आधा अधूरा कार्यवाही कर राजस्व अमला को वापस लौटना पड़ा।पालिका अध्यक्ष ने कहा कि भरे बारिश में किसी गरीब के रोजगार को छीनना न्याय नही हैं।

देश व समाज की प्रगति के लिए बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करना अत्यंत आवश्यक : कलेक्टर

बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु महिला कमाण्डो के कार्यों की सराहना की

बालोद(विश्व परिवार)। कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने कहा कि बालिकाओं के उन्नति से ही देश व समाज की उन्नति संभव है। इसके लिए बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करना अत्यंत आवश्यक है। कलेक्टर श्री चन्द्रवाल आज सामुदायिक भवन गुंडरदेही में जिले के महिला कमाण्डो द्वारा आयोजित बालिका शिक्षा प्रोत्साहन कार्यक्रम के अवसर पर अपना उद्गार व्यक्त कर रहे थे। वे कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर उन्होंने पद्मश्री श्रीमती शमशाद बेगम के नेतृत्व में महिला कमाण्डो द्वारा किए जा रहे कार्यों की भूरी-भूरी सराहना की। कार्यक्रम की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक श्री एसआर भगत ने किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में, पद्मश्री श्रीमती शमशाद बेगम, व्यवहार न्यायाधीश वर्ग 01 श्री महेश बाबू, पूर्व नगर पंचायत उपाध्यक्ष श्री प्रमोद जैन एवं अन्य अतिथिगण उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री चन्द्रवाल ने कहा कि जनभागीदारी से ही बालिका शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने समाज के सभी वर्ग के लोगों को बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने हेतु आगे आने को कहा। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री एसआर भगत ने बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु महिला कमाण्डो द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। इस दौरान उन्होंने देश में 01 जुलाई से तीनों नए कानूनों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। पद्मश्री श्रीमती शमशाद बेगम ने कार्यक्रम के उद्देश्यों तथा महिला कमाण्डो के कार्यों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। विशिष्ट अतिथि व्यवहार न्यायाधीश वर्ग 01 श्री महेश बाबू ने देश में लागू तीनों नए कानूनों के प्रावधानों के संबंध में रोचक एवं प्रेरणास्पद जानकारी दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि श्री प्रमोद जैन ने महिला कमाण्डो के कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि महिला कमाण्डो नि:स्वार्थ भाव से सामाजिक कुरीतियों को दूर करने तथा परिवार समाज एवं देश को आदर्श बनाने के पूनीत कार्य में लगी हुई है।

क्षेत्र के बच्चों को नवोदय विद्यालय में प्रवेश परीक्षा के प्रति करें जागरूक : कलेक्टर

जगदलपुर(विश्व परिवार)। कलेक्टर विजय दयाराम के. ने कहा कि अंदरूनी क्षेत्र और दूर दराज के बच्चों को बेहतर शिक्षा के अवसर देने के लिए संचालित नवोदय विद्यालय के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विद्यालय से पास आउट छात्रों को जोड़कर अभियान किया जाना चाहिए, ताकि ग्रामीण क्षेत्र से अधिक छात्र प्रवेश परीक्षा के लिए पंजीयन करवा सके। इसके लिए ब्लॉक से नवोदय के लिए चयनित हुए बच्चों से नवोदय स्कूल द्वारा दी जा रही शैक्षणिक सुविधाओं की जानकारी अपने क्षेत्र के बच्चों को दें ताकि अन्य बच्चे भी प्रेरित हों। यह प्रयास क्लस्टर स्तर पर शिक्षा विभाग के आवश्यक सहयोग से करें। जिले के प्रत्येक विकासखंड से 02 हजार पंजीयन का लक्ष्य की पहल किया जाए। उक्त निर्देश कलेक्टर ने बुधवार को धरमपुरा स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय की प्रबंधन समिति की बैठक में दिए। कलेक्टर ने बैठक में कहा कि समिति की बैठक साल में कम से कम दो बार होना चाहिए, जिसमें स्कूल से संबंधित समस्याओं का निराकरण किया जा सकता है। साथ ही पूर्व छात्रों की सम्मेलन को मजबूत करें, ताकि स्कूल के बच्चों को भविष्य के प्रति मोटीवेट किया जा सके। उन्होंने कक्षाओं का नाम बस्तर में प्रवाहित होने वाली नदियों और ऐतिहासिक स्थलों के नाम पर रखने का सुझाव भी दिया। बैठक में प्राचार्य राजकुमार कुशवाहा ने स्कूल की प्रवेश प्रक्रिया-कक्षाओं का संचालन, बोर्ड परीक्षा के परिणामों, छात्रों की आवासीय व्यवस्था, खेलकूद और अन्य गतिविधियों की जानकारी समिति के सदस्यों को दी गई।

कलेक्टर कुणाल दुदावत ने माकड़ी तहसील का किया निरीक्षण

कोंडागांव(विश्व परिवार)। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने बुधवार को माकड़ी तहसील कार्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने यहां लोक सेवा केन्द्र, तहसील न्यायालय, कानून गो शाखा, नायब नाजिर शाखा, अभिलेखागार आदि का निरीक्षण किया और आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने तहसील कार्यालय में अर्जीनवीसों के लिए आबंटित कक्ष में अतिरिक्त कुर्सियां लगाने के निर्देश दिए, जिससे ग्रामीणों को बैठने के लिए और स्थान मिल सके। उन्होंने लोक सेवा केन्द्र में उपलब्ध कराई जाने वाली सेवाएं तथा शुल्कों के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होंने निरीक्षण के दौरान आरबीसी 6-4 के तहत प्राकृतिक आपदा से पीड़ितों को दिए जाने वाले मुआवजे के लंबित प्रकरणों के संबंध में जानकारी ली और विलंब की स्थिति में पटवारियों के विरुद्ध कार्यवाही के निर्देश दिए। उन्होंने न्यायालयों में दर्ज प्रकरणों के संबंध में भी जानकारी ली तथा सभी प्रकरणों में नोटिस तामिली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने न्यायालय में दर्ज प्रकरणों की स्थिति को अद्यतन रखने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने भारत में 1 जुलाई से लागू हुए नए कानूनों से भी कर्मचारियों को अवगत कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने इस दौरान अभिलेखागार का निरीक्षण किया और यहां सभी दस्तावेजों को सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभिलेखागार में तहसीलदार तथा अभिलेखागार प्रभारी के अतिरिक्त किसी भी अन्य व्यक्ति को प्रवेश की अनुमति किसी भी स्थिति में प्रदान न की जाए। वहीं पटवारियों को पट्टों का आबंटन तहसीलदार के आदेश पर किया जाए।

पहली बार भारतीय क्रिकेट टीम में शामिल हुए हर्षित राणा

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 5 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज के पहले 2 मैचों के लिए साई सुदर्शन, जितेश शर्मा और हर्षित राणा को भारतीय क्रिकेट टीम में शामिल किया है।यह पहला मौका है जब हर्षित को भारतीय टीम की ओर से बुलावा आया है।इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में इस खिलाड़ी का प्रदर्शन शानदार रहा था। ऐसे में आइए उनके आंकड़ों पर एक नजर डाल लेते हैं। ढ्ढक्क 2024 में हर्षित सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर थे। उन्होंने 13 मैच की 11 पारियों में 20.15 की औसत से 19 विकेट झटके थे। उनकी इकॉनमी रेट 9.08 की रही थी।उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 3/24 का रहा था। उनसे ज्यादा विकेट सिर्फ जसप्रीत बुमराह (20), वरुण चक्रवर्ती (21) और हर्षल पटेल (24) ने अपने नाम किए थे।हर्षित के अलावा 4 और गेंदबाजों ने 19 विकेट अपने नाम किए थे। 22 साल के हर्षित ने अपना पहला टी-20 मुकाबला साल 2022 में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेला था।उन्होंने अब तक 25 टी-20 मुकाबले खेले हैं। इस दौरान इसकी 23 पारियों में 23.64 की औसत और 8.94 की इकॉनमी रेट से 28 विकेट अपने नाम किए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 3/24 का रहा है।हर्षित दिल्ली क्रिकेट टीम के लिए घरेलू क्रिकेट खेलते हैं। हर्षित ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अपना पहला मुकाबला असम क्रिकेट टीम के खिलाफ साल 2022 में खेला था। अब तक उन्होंने 7 मुकाबले खेले हैं। इसकी 12 पारियों में उन्होंने 26.35 की औसत से 28 विकेट अपने नाम किए हैं।उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 7/45 का रहा है।लिस्ट-ए क्रिकेट में इस खिलाड़ी ने मेघालय के खिलाफ साल 2022 में अपना पहला मैच खेला था। उन्होंने 25 मैच में 23.64 की औसत से 28 विकेट अपने नाम किए हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज से अनुभवी खिलाड़ियों को आराम दिया गया है। टीम में युवा खिलाड़ियों को मौका दिया गया है और शुभमन गिल को कप्तान बनाया गया है।जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले 2 टी-20 अंतरराष्ट्रीय के लिए भारतीय टीम॰ शुभमन गिल (कप्तान), रुतुराज गायकवाड़, अभिषेक शर्मा, रिंकू सिंह, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रियान पराग, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, अवेश खान, खलील अहमद, मुकेश कुमार, तुषार देशपांडे, साई सुदर्शन, जितेश शर्मा (विकेटकीपर) और हर्षित राणा।

व्यापार समाचार

दाल मिलों की कमजोर लिवाली से साबुत मूंग 500 रुपए टूटा

जयपुर(एजेंसी)। दाल मिलों की मांग घटने से स्थानीय थोक बाजारों में मूंग की कीमतें काफी नीचे आ गई हैं। जयपुर मंडी में साबुत मूंग (एमपी) 8200 रुपए तथा केकड़ी लाइन का मूंग 8300 रुपए प्रति क्विंटल बेचा जा रहा है। एक माह पूर्व मूंग करीब 8800 रुपए प्रति क्विंटल बिक गया था। वर्तमान में इसमें 500 रुपए प्रति क्विंटल की गिरावट दर्ज की गई है। गर्मी वाली मूंग लगभग सभी प्रांतों से आ रही है। दाल की बिक्री कमजोर रहने से पिछले दो सप्ताह के दौरान मूंग में अच्छी गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि मंडियों में पुरानी मूंग का प्रैशर काफी कम रह गया था। मगर पिछले माह से ही उत्तर प्रदेश, बिहार, बंगाल, उड़ीसा एवं मध्य प्रदेश आदि सभी राज्यों की मूंग बाजार में आने लगी है। परिणामस्वरूप स्टॉकिस्टों की घबराहटपूर्ण बिकवाली देखी जा रही है। दिल्ली में मध्य प्रदेश की तीन किलो कंडीशन वाली मूंग हाल ही मंदी होकर 8200 रुपए प्रति क्विंटल बिकने की खबर है। इस बीच राजस्थान की पुरानी मूंग के भाव 8000 रुपए प्रति क्विंटल के आसपास रह गए हैं। पिछले साल अक्टूबर में सीजन पर राजस्थान की मूंग कर्नाटक के कारोबारियों द्वारा सिंडीकेट बनाकर भारी तेजी ला दी गई थी। जो आज तक भी व्यापारियों को सीजन वाले भाव नहीं मिल पाए हैं। अब नई मूंग सभी प्रांतों की आने लगी है। गौरतलब है कि खरीफ एवं रबी दोनों ही सीजन में मूंग की पैदावार होती है। पिछले साल मूंग का उत्पादन 38 लाख टन हुआ था, जबकि इस बार 46 लाख टन होने का अनुमान आ रहा है। मध्य प्रदेश की मंडियों में बिजाई अधिक होने से मूंग का दबाव पिछले दिनों बढ़ा था तथा जिस प्रकार पिछले दो महीनों में वहां आवक घटी है। इसे देखते हुए मूंग में अब मंदे की गुंजाइश नहीं है। इसके अलावा दाल मिलों में भी स्टॉक ज्यादा नहीं है।

अब इन चार आसियान देशों में यूपीआई से भेज सकेंगे पैसे

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि उसने चार आसियान देशों के साथ प्रोजेक्ट नेक्सस ज्वाइन किया है। इसके तहत क्रॉस-बॉर्डर रिटेल पेमेंट के इंस्टेंट सेटलमेंट के लिए प्लेटफॉर्म बनाया जाएगा। आरबीआई ने अपने बयान में कहा कि बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स (बीआईएस) के इनोवेशन हब द्वारा परिकल्पित नेक्सस का उद्देश्य भारत के यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस) को आसियान सदस्यों - मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर और थाईलैंड की तेज भुगतान प्रणालियों से जोड़ना है। केंद्रीय बैंक ने अपने बयान में आगे कहा कि बीआईएस और इन चार देशों के केंद्रीय बैंक -- बैंक नेगारा मलेशिया (बीएनएम), बैंक ऑफ थाईलैंड (बीओटी), बैंगको सेंट्रल एनजी पिलिपिनास (बीएसपी), मौद्रिक प्राधिकरण सिंगापुर (एमएएस), और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 30 जून, 2024 को स्विट्जरलैंड के बेसल में एग्रीमेंट साइन किया गया। इंडोनेशिया, जो कि शुरुआती चरण से जुड़ा हुआ है, स्पेशल ऑब्जर्वर के रूप में अपनी भूमिका निभाएगा। आरबीआई ने अपने बयान में कहा कि आने वाले समय में इस प्लेटफार्म को कई और देशों तक बढ़ाया जा सकता है।

शेयर बाजार ऑल टाइम हाई पर खुला, सेंसेक्स पहली बार 80,000 के पार

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को रिकॉर्ड हाई पर खुला है। बाजार के मुख्य सूचकांकों सेंसेक्स और निफ्टी ने शुरुआती कारोबार में ही क्रमश॰ 80,039 और 24,292 का नया ऑल टाइम हाई बनाया। बाजार का रुझान सकारात्मक बना हुआ है। एनएसई पर 1708 शेयर हरे निशान में और 343 शेयर लाल निशान में हैं। सुबह 9॰22 पर सेंसेक्स 481 अंक या 0.61 प्रतिशत की बढ़त के साथ 79,923 और निफ्टी 133 अंक या 0.55 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,257 पर था। बैंकिंग शेयर बाजार को ऊपर खींचने का काम कर रहे हैं। निफ्टी बैंक 707 अंक या 1.36 प्रतिशत की तेजी के साथ 52,937 पर है। सेंसेक्स पैक में एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इंडसइंड बैंक और बजाज फाइनेंस का शेयर टॉप गेनर है। टीसीएस, सन फार्मा, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा और विप्रो टॉप लूजर्स हैं। बाजार के जानकारों का कहना है कि बाजार का रुख आज सकारात्मक रह सकता है। एमएससीआई इंडेक्स में वेटेज बढ़ने की संभावना के कारण एचडीएफसी बैंक स्पॉटलाइट में रह सकता है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 258 अंक या 44 प्रतिशत की तेजी के साथ 56,112 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 108 अंक या 0.59 प्रतिशत की बढ़त के साथ 18,617 पर है।

यूपीआई से लेनदेन जून में 49 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) प्लेटफॉर्म से लेनदेन की संख्या सालाना आधार पर 49 प्रतिशत बढ़कर 13.9 अरब हो गई है। नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) द्वारा जारी किए गए डेटा में यह जानकारी दी गई है। लेनदेन की संख्या मई के 14 अरब के मुकाबले थोड़ी सी कम है। इसकी वजह जून में मई के मुकाबले कम दिन का होना है। जून में यूपीआई लेनदेन की कुल वैल्यू सालाना आधार पर 36 प्रतिशत बढ़कर 20.1 लाख करोड़ रही है। मई में यूपीआई लेनदेन की वैल्यू सालाना आधार पर 37 प्रतिशत बढ़कर 20.4 लाख करोड़ रुपये पर थी। एनपीसीआई के डेटा के मुताबिक, जून में यूपीआई से औसत लेनदेन की संख्या प्रतिदिन 463 मिलियन रही है और प्रतिदिन औसत 66,903 करोड़ रुपये का लेनदेन हुआ है। आधार के जरिए होने वाले भुगतान की संख्या में सालाना 4 प्रतिशत की बढ़त हुई है और यह 100 मिलियन पर पहुंच गया है। हालांकि, कुल भुगतान वैल्यू सालाना आधार पर 5 प्रतिशत गिरकर 25,122 करोड़ रुपये रही है। औसत प्रतिदिन लेनदेन की संख्या 3.3 मिलियन पर रही है और औसत प्रतिदिन लेनदेन वैल्यू 837 करोड़ रुपये रही। जून में फास्टैग लेनदेन की संख्या में सालाना आधार पर 6 प्रतिशत का इजाफा हुआ है और यह 334 मिलियन रही है। वहीं, इन लेनदेन की वैल्यू 11 प्रतिशत बढ़कर 5,780 करोड़ रुपये पर रही। यूपीआई के लेनदेन में बढ़त की वजह रुपे क्रेडिट कार्ड को यूपीआई से जोड़ना और यूपीआई को विदेशों में भी लॉन्च करना है।

आईपीएल 2025 के ऑक्शन को लेकर जल्द आ सकता है बड़ा अपडेट, टीमों ने रखी है ये मांग

नई दिल्ली(एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के मेगा ऑक्शन को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई है. रिपोर्ट के मुताबिक, ज्यादातर फ्रेंचाइजी ने रिटेंशन की संख्या बढ़ाने की मांग की है. आईपीएल टीमों ने रिटेंशन खिलाड़ियों की संख्या 4 से बढ़ाकर 5 से 7 के बीच करने की मांग की है. रिपोर्ट्स में यह भी बताया गया है कि एक टीम ने ज्यादा से ज्यादा 8 खिलाड़ियों को रिटेन करने की मांग की है, लेकिन सभी फ्रेंचाइजी इस पर एकमत नहीं हैं, क्योंकि उनमें से कुछ ने किसी को रिटेन न करने की मांग की है. साथ ही, कोई रिटेंशन न रखने और केवल राइट टू मैच कार्ड रखने का अनुरोध किया गया था. वहीं बीसीसीआई के कार्यवाहक सीईओ और आईपीएल प्रभारी हेमंग अमीन ने हाल ही में सभी फ्रेंचाइजियों के सीईओ से अगले तीन सालों के लिए सैलरी सीमा और नीति पर उनके विचार जानने की कोशिश की. उनसे आरटीएम कार्ड के बारे में भी पूछा गया. बीसीसीआई ने कहा है कि वह टीमों के मालिकों के बीच होने वाली मीटिंग में फैसले का एलान करेंगे. इसका एलान इसी महीने किया जा सकता है. वहीं फ्रेंचाइजी के सीईओ से टीम के पर्स के बारे में भी पूछा गया. मौजूदा समय में, टीम का पर्स 100 करोड़ रुपए है. अब राय यह दी गई है कि वेतन सीमा 110-120 करोड़ रुपए के बीच रखी जाए, लेकिन इसमें 20 करोड़ की बढ़ोतरी हो सकती है. रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि इस दौरान इम्पैक्ट प्लेयर नियम पर भी चर्चा की गई. मीडिया राइट्स वाले इस नियम से खुश हैं, लेकिन कुछ टीमों के कोचिंग स्टाफ इस नियम से बहुत ज्यादा खुश नहीं है.

जोकोविच बिना किसी परेशानी के दूसरे दौर में, महिला गत चैंपियन बाहर

लंदन(एजेंसी)। 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने ग्रास कोर्ट पर अपना मास्टर क्लास दिखाते हुए चेक गणराज्य के विट कोपरीवा को लगातार सेटों में 6-3, 6-2, 6-2 से हराकर वर्ष के तीसरे ग्रैंड स्लैम विम्बलडन के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया जबकि महिला वर्ग में गत चैंपियन मार्केटा वोन्द्रूसोवा पहले दौर में हारकर बाहर हो गयीं। घुटने की चोट के कारण फ्रेंच ओपन से हटने वाले जोकोविच ने अपनी शानदार वापसी में किसी तरह की कोई परेशानी नहीं दिखाई और पूरे मुकाबले के दौरान वो सहज दिखे। जोकोविच ने मैच के दौरान सिर्फ 16 बेजां भूलें कीं और अपनी पहली सर्विस पर 90 फीसदी अंक बटोरे। इस बीच चौथी सीड जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव शानदार शुरुआत करते हुए रॉबर्टो कार्बालेस बायेना को 6-2, 6-4, 6-2 से हराकर आठ बार टूर्नामेंट में अपनी उपस्थिति में से सातवीं बार दूसरे दौर में पहुंच गए। ज्वेरेव ने मैच में 18 एस सहित 46 विनर्स लगाए। उधर विश्व नंबर छह आंद्रेई रुब्लेव पहले दौर में हारकर टूर्नामेंट में अब तक बाहर होने वाले सर्वोच्च रैंक के खिलाड़ी बन गए। रुब्लेव को 122वीं रैंकिंग के अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को कोमेसाना ने 6-4, 5-7, 6-2, 7-6(5) से हराकर बड़ा उलटफेर किया। महिला वर्ग के सबसे बड़े उलटफेर में गत चैंपियन चेक गणराज्य की मार्केटा वोन्द्रूसोवा पहले दौर में बाहर हो गयीं। विश्व में 83वें नंबर की खिलाड़ी बोजास मनीरो ने मात्र 67 मिनट में वोन्द्रूसोवा को 6-4, 6-2 से हराकर बाहर कर दिया। स्पेन की मनीरो ने अपने सभी पांच ब्रेक अंक भुनाए।

लीडिंग प्रिसिजन इंजीनियरिंग कंपनी शिवालिक इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने आईपीओ के लिए डीआरएचपी फाइल की

रायपुर। भारत की लीडिंग प्रिसिजन इंजीनियरिंग कंपनियों में से एक रायपुर बेस्ड शिवालिक इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज लिमिटेड इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग से फंड जुटाएगी। इसके लिए कंपनी ने मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया के साथ अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (ष्ठक्र॥क्क) दाखिल किया है। 5 रुपये प्रति इक्विटी शेयर की फेस वैल्यू वाला आई पी ओ फ्रेश और ऑफर फॉर सेल का मिक्स है। इसमें 335 करोड़ रुपए तक के फ्रेश शेयर जारी किए जाएंगे और प्रमोटर और अन्य सेलिंग शेयरहोल्डर 4.13 मिलियन इक्विटी शेयर बेचेंगे। ऑफर में पात्र कर्मचारियों को सब्सक्रिप्शन के लिए रिजर्वेशन भी मिलेगा। एम्प्लॉई रिजर्वेशन पोर्शन में बोली लगाने वाले पात्र कर्मचारियों को डिस्काउंट ऑफर किया जा रहा है। ऑफर फॉर सेल में प्रमोटर गिरिराज सिंघानिया 1,204,260 तक, राघवेंद्र सिंघानिया 1,204,260 तक, विशाल शर्मा 802,760 तक, मोहित शर्मा 211,200 तक, पंकज शर्मा 12,320 तक, ध्रुव कुमार नागवानी 220,000 तक, नवीन कुमार नागवानी 220,000 तक, और पदम कुमार नागवानी 255,200 तक इक्विटी शेयरों की बिक्री शामिल है। ऑफर बुक-बिल्डिंग प्रोसेस के माध्यम से किया जा रहा है, जिसमें योग्य संस्थागत खरीदारों के लिए आनुपातिक आधार पर आवंटन के लिए नेट ऑफर का 50त्न से अधिक उपलब्ध नहीं होगा। गैर-संस्थागत निवेशकों को आवंटन के लिए नेट ऑफर का कम से कम 15त्न उपलब्ध होगा। नेट ऑफर का कम से कम 35त्न रिटेल इंडिविजुअल इन्वेस्टर्स के लिए आवंटन के लिए उपलब्ध होगा। फ्रेश शेयरों से जुटाई गई रकम में से 179.24 करोड़ रुपए का इस्तेमाल सोलर प्लांट लगाने के लिए किया जाएगा। मौजूदा यूनिट के विस्तार यानी, नई फाउंड्री लाइन स्थापित करके मौजूदा फाउंड्री क्षमता का विस्तार और जनरल कॉर्पोरेट पर्पज के लिए 50 करोड़ रुपए का उपयोग होगा। शिवालिक इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज ने ऑटोमोटिव, एग्रीकल्चर, रेलवे और ऑफ-हाईवे इंडस्ट्रीज जैसे सेक्टर्स के लिए हाई-क्वालिटी मेटल पार्ट सहित कास्टिंग कंपोनेंट के निर्माण पर फोकस करते हुए 2007 में अपना परिचालन शुरू किया।

भारत में प्राइवेट इक्विटी और वेंचर कैपिटल निवेश 54 प्रतिशत बढ़ा : रिपोर्ट

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत में प्राइवेट इक्विटी (पीई) और वेंचर कैपिटल (वीसी) की ओर से किया जाने वाला निवेश मई में सालाना आधार पर 54 प्रतिशत बढ़कर 6.9 अरब डॉलर हो गया। ईवाई-आईवीसीए की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि मई 2024 में रियल एस्टेट और इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश सालाना आधार पर 67 प्रतिशत बढ़कर 2.5 अरब डॉलर हो गया है, जो कि मई 2023 में 1.5 अरब डॉलर था। यह अप्रैल 2024 के मुकाबले 183 प्रतिशत अधिक है। मई 2024 में कुल डील की संख्या सालाना आधार पर 45 प्रतिशत से बढ़कर 100 हो गई है, जो कि मई 2023 में 69 थी। शुद्ध रूप से पीई/वीसी का निवेश मई 2024 में 47 प्रतिशत बढ़कर 4.4 अरब डॉलर हो गया है, जो कि मई 2023 में 3 अरब डॉलर पर था। मई 2024 में पीई/वीसी निवेशकों की ओर से ग्रोथ इन्वेस्टमेंट डील की गई है। इसका आकार 2.5 अरब डॉलर का था, जो कि कुल निवेश का 36 प्रतिशत है। इसके बाद बायआउट इन्वेस्टमेंट्स की डील की गई और इसका आकार 2.3 अरब डॉलर था। रिपोर्ट के मुताबिक, मई 2024 में 2.5 अरब डॉलर के निवेश के साथ रियल एस्टेट सेक्टर टॉप पर था। इसके बाद फाइनेंसियल सर्विसेज को 1.6 अरब डॉलर का निवेश मिला है। रिपोर्ट में आगे कहा गया कि पीई/वीसी ने मई 2024 में 23 डील में 2.5 अरब डॉलर का एग्जिट लिया है। इसमें सालाना आधार पर 21 प्रतिशत की बढ़त हुई है। मई 2024 में 5 डील में सेकेंडरी एग्जिट हुआ है, जो कि एक अरब डॉलर पर था। इन्फ्रास्ट्रक्चर सेक्टर पीई का फेवरेट रहा है। पिछले पांच वर्षों में पीई/वीसी का 17 प्रतिशत निवेश इसी सेक्टर में हुआ है। वैल्यू के हिसाब से पीई/वीसी ने सबसे ज्यादा निवेश रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में किया है, इसके बाद रोड और हाईवे का नंबर है।

एचडीएफसी बैंक ने कोर बैंकिंग सिस्टम को नए इंजीनियर्ड प्लेटफॉर्म पर माइग्रेट करने की योजना बनाई

13 जुलाई को अपग्रेड के दौरान कुछ सेवाएं अस्थायी रूप से सीमित रहेगी

मुंबई: भारत का अग्रणी निजी क्षेत्र का बैंक एचडीएफसी बैंक 13 जुलाई, 2024 को सिस्टम अपग्रेड करने जा रहा है। बैंक अपने कोर बैंकिंग सिस्टम (सीबीएस) को नए इंजीनियर्ड प्लेटफॉर्म पर माइग्रेट कर रहा है, जिसका उद्देश्य देश भर में 9.3 करोड़ व्यक्तियों और व्यवसायों के अपने बढ़ते ग्राहक आधार के लिए ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाना है। इस माइग्रेशन से बैंक को प्रदर्शन की गति में सुधार करने, उच्च ट्रैफिक वॉल्यूम को संभालने की अपनी क्षमता का विस्तार करने, विश्वसनीयता और मापनीयता को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। इस अपग्रेड के साथ एचडीएफसी बैंक अपने आकार और बैंकिंग वॉल्यूम के हिसाब से देश में सबसे बड़े बैंकों में से एक होगा, जो अपने कोर बैंकिंग सिस्टम को नए-जीन प्लेटफॉर्म पर होस्ट करेगा।

शेड्यूल किए गए अपग्रेड विवरण: प्रारंभ: शनिवार, 13 जुलाई 2024 को सुबह 3.00 बजे, समाप्ति: शनिवार, 13 जुलाई 2024 को शाम 4.30 बजे।

कार्यालय कलेक्टर, (आदिवासी विकास शाखा) बालोद छ.ग.

Fax- 07749-223915 Email-id actwd.balod@gmail.com

!! संक्षिप्त निविदा आमंत्रण !!

क्रमांक/ 386 /आ.जा.क./स.अनुच्छे. निर्माण /2024 बालोद, दिनांक 01.07.2024

संविधान के अनुच्छेद 275(1) मद अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 में स्वीकृत अनुसूचित जन जाति बालक छात्रावासों में आहाता निर्माण कार्य के लिये कुल 03 कार्यो के लिये खुली निविदा आमंत्रित की जाती है जिले के विभागीय छात्रवासों में स्वीकृत कार्य का विवरण निम्नानुसार है :-

क0	संस्था का नाम	कार्य का नाम	कार्य की स्वीकृत राशि(लाखों में)	प्रति ईकाई प्रतिभूति राशि रूपये
1	2	3	3	4
1	प्री0मै0अनु.ज.जा.बालक छात्रावास घीना	आहाता निर्माण	11.39	11500/-
2	प्री0मै0 अनु.ज.जा.बालक छात्रा.मंगलतराई	आहाता निर्माण	11.39	11500/-
3	पो0मै0अनु.ज.जा.बालक छात्रावास डौण्डीलोहारा	आहाता निर्माण	11.39	11500/-
	योग		34.17	

(रूपये - चौतीस लाख सत्रह हजार मात्र)

निविदा हेतु प्रस्तावित कार्य विवरण, निविदा प्रपत्र एवं निविदा शर्ते अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में निविदा प्रपत्र की निर्धारित राशि नगद रू. 1000/- भुगतान कर कार्यालय दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

1. निविदा हेतु आवेदन की अंतिम तिथि — 16.07.2024 दोपहर 5.00 बजे तक
2. निविदा प्रपत्र विकय की अंतिम तिथि — 25.07.2024 शाम 5.00 बजे तक
3. निविदाकार से निविदा प्रपत्र प्राप्ति की अंतिम तिथि — 31.07.2024 शाम 5:00 बजे तक
4. निविदा खोलने की तिथि — 01.08.2024 दोपहर 12.00बजे तक

G-242500750/3

सहायक आयुक्त
आदिवासी विकास बालोद

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, शुक्रवार 05 जुलाई 2024

राज्यपाल से शिक्षा में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्राचार्यों ने भेंट की

रायपुर (विसं)। राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन से शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मान प्राप्त करने वाले विभिन्न स्कूलों के प्राचार्यो ने सौजन्य भेंट की। राज्यपाल ने इन सभी को आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं दीं और प्रदेश का नाम रोशन करने के लिए उनकी सराहना की। सम्मान प्राप्त करने वाले शिक्षकों में स्कॉलर इंग्लिश मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल रायपुर की प्राचार्य श्रीमती नीता अवस्थी, वेंकटेश्वर सिग्नेचर इंग्लिश मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल रायपुर की प्राचार्य श्रीमती सौम्या रघुवीर और वाइकन हायर सेकेंडरी स्कूल रायपुर की प्राचार्य श्रीमती रम्पी बरार शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

आम रेल यात्रियों की सुविधाओं पर रेलवे का फोकस, कोच उत्पादन में वृद्धि

रेलवे ने 2024 और 2025 के दौरान 10000 नॉन-एसी कोचों के उत्पादन में तेजी लाई

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। आम यात्रियों के जीवन को आसान बनाने के लिए, भारतीय रेलवे ने अगले दो वर्षों के लिए लगभग 10,000 नॉन-एसी कोचों के उत्पादन की योजना बनाई है। अधिकारियों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 और 2025-26 के दौरान, लगभग 10000 कोचों को अंतिम रूप दिया जा रहा है, जिसमें 5300 से अधिक जनरल कोचों की रिकॉर्ड संख्या शामिल है। वित्त वर्ष 2024-25 में, रेलवे ने अमृत भारत जनरल कोचों सहित 2605 जनरल कोच, अमृत भारत स्लीपर कोचों सहित 1470 नॉन एसी स्लीपर, अमृत भारत एसएलआर कोचों सहित 323 एसएलआर कोच, 32 उच्च क्षमता वाले पार्सल वैन और 55 पेंट्री कार बनाने की योजना बनाई है। वित्त वर्ष 2025-26 में, रेलवे ने अमृत भारत जनरल कोच सहित 2710 जनरल कोच, अमृत भारत स्लीपर कोच सहित 1910 नॉन एसी स्लीपर, अमृत भारत एसएलआर कोच सहित 514 एसएलआर कोच, 200 उच्च क्षमता वाले पार्सल वैन और 110 पेंट्री कार बनाने की योजना बनाई है। रेल सेवा की मांग गतिशील है और मौसमी बदलावों, यात्री यातायात की वृद्धि आदि के आधार पर घटती/बढ़ती रहती है। कोचों की आवश्यकता इन कारकों पर आधारित होती है और वार्षिक कोच उत्पादन कार्यक्रम में शामिल हो जाती है। कोचों का उत्पादन आम तौर पर आवश्यकता के अनुरूप होता है।

लोगों की आय बढ़ाने और एआई तथा आईटी सेवाओं में विस्तार पर किया गया मंथन

रायपुर (आरएनएस)। एआई और आईटी सेवाओं में विस्तार, केन्द्रीय लॉजिस्टिक हब बनाने, प्रति व्यक्ति आय बढ़ाने कौशल सुधार जैसे विषयों पर विभिन्न विभाग के अधिकारियों ने गहन विचार-विमर्श किया। ''अमृतकाल: छत्तीसगढ़ विजन ञ्च2047'' डॉक्यूमेंट तैयार करने वाणिज्य उद्योग और अधोसंरचना विकास विषय पर गठित वर्किंग समिति की द्वितीय बैठक राज्य नीति आयोग अटल नगर नवा रायपुर के सभा कक्ष में आज आयोजित की गई। वाणिज्य उद्योग और अधोसंरचना विकास से संबंधित लक्ष्य, चुनौतियां एवं सामर्थ्य विषय पर विस्तार से चर्चा की गई तथा वर्किंग समिति के सदस्यों द्वारा सुझाव देकर उन विषयों को दस्तावेज में शामिल कराने की बात कही। बैठक में प्राकृतिक संसाधनों का मूल्यवर्धन वैश्विक उत्पाद, स्थानीय एमएसएमई और ग्रामीण उद्योगों के सशक्तीकरण, हरित विनिर्माण में छत्तीसगढ़ को अग्रणी राज्य बनाने, अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने, माइक्रो फाइनेंसिंग और रणनीतिक पीपीपी के साथ निवेश सुविधा बढ़ाने विस्तार से चर्चा की गई। इसी प्रकार प्रौद्योगिकी में कौशल उन्नयन करने विश्व स्तरीय प्रशिक्षण की आवश्यकता, अति आधुनिक मजबूत लॉजिस्टिक हब बनाने, एकीकृत औद्योगिक परिवहन अधोसंरचना विकसित करने जैसे मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श किया गया।

डिप्टी सीएम अरुण साव ने नगरीय निकायों के कार्यों में तेजी लाने केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर से की मुलाकात

- प्रदेश की विभिन्न नगरीय निकायों की बड़ी योजनाओं पर की चर्चा, प्रधानमंत्री आवास योजना में 19,906 नए आवास स्वीकृत करने का किया आग्रह
- ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए 516 करोड़ और वेस्ट-टू-इलेक्ट्रिसिटी प्लांट के लिए 400 करोड़ की स्वीकृति का किया अनुरोध
- नगरीय निकायों की संपूर्ण कार्य प्रणाली को आईटी-इनेबल्ड बनाने 200 करोड़ का अनुदान भी मांगा

रायपुर (विश्व परिवार)। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने आज नई दिल्ली में केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात कर छत्तीसगढ़ के विभिन्न नगरीय निकायों की बड़ी योजनाओं पर चर्चा की। उन्होंने शहरों की इन महत्वाकांक्षी योजनाओं के लिए आवश्यक राशि स्वीकृत करने का आग्रह किया। उन्होंने राज्य की शहरों के विकास की योजनाओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए यहां संचालित केंद्रीय योजनाओं की प्रगति की जानकारी भी केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री को दी।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर से नई दिल्ली के श्रम शक्ति भवन में हुई मुलाकात के दौरान वर्तमान में संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत या आगामी प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के अंतर्गत बीएलसी घटक (ब्ल्ठद्गद्गष्ढड्डह्4 स्द्गस्र-ष्ठ्वठ्ठह्यह्लह्वष्ह्लद्बशठ्ठ) के अंतर्गत 19 हजार 906 नए आवास स्वीकृत करने का अनुरोध किया। उन्होंने श्री खट्टर को बताया कि छत्तीसगढ़ द्वारा स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के तहत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए 516 करोड़ 20 लाख रुपए का एक्शन प्लान स्वीकृति के लिए भारत सरकार को भेजा गया है। रायपुर, दुर्ग एवं भिलाई निकायों के क्लस्टर तथा बिलासपुर, रतनपुर, बोदरी एवं मुंगेली में सूखे कचरे के निपटान के लिए 10 मेगावाट का वेस्ट-टू-इलेक्ट्रिसिटी प्लांट लगाने के लिए करीब 400 करोड़ रुपए की परियोजना का प्रस्ताव भी भेजा गया है। उन्होंने इन दोनों कार्यों के लिए राशि मंजूर करने के साथ ही रायपुर और बिलासपुर को छोड़कर शेष नगर निगमों में इंटीग्रेटेड सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट फैसिलिटी की स्थापना के लिए लगभग 800 करोड़ रुपए की स्वीकृति का भी अनुरोध किया।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने भारत सरकार के नेशनल अर्बन डिजिटल मिशन के अंतर्गत नगरीय निकायों की संपूर्ण कार्य प्रणाली को आईटी-इनेबल्ड (ढ्ढञ्ज श्वठ्ठड्डड्ढद्यद्गस्र) बनाने 200 करोड़ रुपए के अनुदान की स्वीकृति का आग्रह केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री से किया। उन्होंने राज्य के नवगठित 15 नगरीय निकायों को स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के अंतर्गत शामिल कर सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट एवं वेस्ट वाटर मैनेजमेंट परियोजनाओं के लिए अतिरिक्त राशि प्रदान करने का अनुरोध किया। श्री साव ने मिशन अमृत तथा अमृत 2.0 में शामिल नगरीय निकायों के साथ ही अन्य नगरीय निकायों में भी जलप्रदाय योजनाओं के लिए अतिरिक्त राशि मंजूर करने का आग्रह किया। केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर ने श्री साव की मांगों पर संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने का आश्वासन दिया।

बीरगांव में सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ अभियान का किया गया शुभारंभ

बीरगांव (विश्व परिवार)। स्वच्छ भारत मिशन शहरी 2.0 अंतर्गत नगर पालिक निगम बीरगांव में सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू एवं नगर निगम बिरगांव के महापौर नंदलाल देवांगन के द्वारा अभियान का शुभारंभ हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस अवसर मोतीलाल साहू विधायक रायपुर ग्रामीण ने नागरिकों से अपील की कि स्वच्छता की शुरुआत हमें अपने घर से ही करना होगा, अपने कार्य स्थल से ही करना होगा तभी शहर साफ और सुंदर होगा। हमारे आसपास के वातावरण साफ होने से, हमारे घर के आस-पास सफाई होने से हमारे कार्यस्थल में सफाई होने से संभावित बीमारियों से बचा जा सकता है। इस अवसर पर पहले स्वच्छता शपथ दिलवाई गई। उसके उपरांत पर्यावरण को बचाने के लिए शपथ दिलवाई गई। उसके पश्चात सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ अभियान का शुभारंभ हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस अवसर पर रायपुर ग्रामीण ग्रामीण के विधायक मोतीलाल साहू नगर निगम के महापौर नंदलाल देवांगन सभापति कृपाराम निषाद एमआईसी मेंबर मोहम्मद रियाज, एमआईसी मेंबर इकराम अहमद, नेता प्रतिपक्ष ओम प्रकाश साहू केहरु राम साहू पार्षद, श्रीमती रुक्मणी सिन्हा पार्षद, पूनाराम साहू निगम सचिव श्रीमती श्वेता आंबिलकर, दीपक खांडे कार्यपालन अभियंता, डी एल देवांगन सहायक अभियंता एव नोडल अधिकारी, अमन चंद्राकर उप अभियंता, मंजू साहू उप अभियंता, स्नेहा सोनी मिशन मैनेजर, राजेश क्षत्रिय स्वच्छता निरीक्षक, जिला समन्वयक विकास जांगड़े, दिनेश अग्रवाल आर आर इस्पात, अजय दुबे आलोक फेरो एवं हीरा फेरो एलॉयज उरला, चंद्रशेखर वर्मा, संदीप, संजय पांडे, अखिल अग्रवाल, निकेत खंडेलवाल, विनोद पटेल, तरुण निषाद, दिलीप चौहान, राकेश तिवारी, दीप मेहरा, अंकित कशयप, वीरेंद्र वर्मा, हिरेंद्र क्रमर परघनिया, प्रमोद चंद्राकर, अंजू निषाद, जगदीश मिश्रा, रामनुज शर्मा के अलावा बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

जनदर्शन में दिए आवेदन पर हुई कार्यवाही की जानकारी लोगों को ऑनलाइन पोर्टल पर मिलेगी

जनदर्शन में मिले 1700 से अधिक आवेदन

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के जनदर्शन पहुंचने वाले लोगों को उनके आवेदन पर हुई कार्रवाई की अपडेट जानकारी जनदर्शन पोर्टल के माध्यम से घर बैठे मिलेगी। इसके लिए जनदर्शन पोर्टल में आवेदक को अपना टोकन नंबर डालना होगा। 04 जुलाई गुरूवार को आयोजित जनदर्शन में 1700 से अधिक आवेदन लोगों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर सौंपें। इससे पूर्व 27 जून को आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम में 1500 से अधिक आवेदन मिले थे, जिनका निराकरण संबंधित विभागों द्वारा तेजी से किया जा रहा है।

जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचने वाले लोगों के लिए चाय और बिस्कुट की मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से जनदर्शन में बारी बारी से एक-एक कर मिल रहे हैं और अपनी समस्या बताने के साथ ही आवेदन भी सीधे मुख्यमंत्री को दे रहे हैं। जनदर्शन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री साय प्रत्येक लोगों से बड़ी ही सहजता और आत्मीयता के साथ मिल रहे हैं। मुख्यमंत्री बड़े ही धैर्य के साथ समस्या सुनते हैं और समस्या के यथा संभव समाधान के लिए प्रयास करने का भरोसा दिलाते हैं। आम जनता से मिलने वाले आवेदनों की कंप्यूटर में एंट्री कर करवाई के लिए संबंधित विभाग को भेजा जा रहा है। लोगों को आवेदन पर की जाने वाली कार्यवाही की जानकारी घर बैठे ऑनलाइन जनदर्शन पोर्टल https://jandarshan.cg.nic.in पर टोकन नंबर से मिल सकेगी।

मुख्यमंत्री निवास में आयोजित जनदर्शन में आगंतुकों के लिए चाय, बिस्कुट, पानी के दो स्टाल लगाए गए हैं। एक हेल्थ स्टाल भी लगाया गया है, जहां बीपी, शुगर की नि:शुल्क जांच की सुविधा भी उपलब्ध है। गौरतलब है कि आज 04 जुलाई गुरूवार को जनदर्शन में 1700 आवेदन मिले थे, जिसमें से ज्यादातर आवेदन आर्थिक सहायता, चिकित्सा सहायता, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय प्रशासन, राजस्व विभाग से संबंधित थे। 27 जून को आयोजित प्रथम जनदर्शन कार्यक्रम में 1500 से अधिक आवेदन मिले थे, जिनमें से अधिकांश का निराकरण संबंधित विभागों द्वारा किया जा चुका है। शेष आवेदन निराकरण की प्रक्रिया में है।

नई दिल्ली स्थित ट्रायबल यूथ हॉस्टल के 9 युवाओं ने पास की यूपीएससी प्रीलिम्स परीक्षा

आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम ने युवाओं से चर्चा कर बढ़ाया हौसला, दी बधाई

प्रीलिम्स उत्तीर्ण करने वाले युवाओं को मिलेगी एक लाख रु. की आर्थिक सहायता

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा नई दिल्ली में शुरू किए गए यूथ हॉस्टल के 09 युवाओं ने संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण की है। आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम ने प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले सभी युवाओं को बधाई और शुभकामनाएं दी है।

श्री रामविचार नेताम ने आज वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से यूथ हॉस्टल इन युवाओं से चर्चा कर उनका हौसला बढ़ाया और उन्हें मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की नेतृत्व वाली सरकार में हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि यूपीएससी की प्रीलिम्स परीक्षा की सफलता पर प्रदेशवासियों को गर्व है। उन्होंने आशा व्यक्त की है कि प्रीलिम्स परीक्षा की तरह ही मेन्स की परीक्षा में छत्तीसगढ़ के युवा सफलता प्राप्त करेंगे। उन्होंने युवाओं को समझाईश देते हुए कहा कि वे लगन और ईमानदारी के साथ यूपीएससी मेन्स और इंटरव्यू की तैयारी में लगे रहे। उन्होंने युवाओं को राज्य सरकार द्वारा सभी आवश्यक मदद दिलाने के लिए भरोसा दिलाया।

यूपीएससी प्रीलिम्स उत्तीर्ण युवाओं में दुष्यंत कुमार, सागर भारद्वाज, विकास कुर्रे, दक्षेश दीवान, अमरदीप कुजुर, चंद्रेश कुमार, कोमल साहू, राहुल साहू व रोशन लाल ठाकुर शामिल है। राजीव युवा उत्थान योजना के तहत आदिम जाति विकास विभाग द्वारा ट्रायबल यूथ हॉस्टल का संचालन किया जा रहा है। यह संस्था पूर्णता: आवासीय है। तहत कुल 185 सीट स्वीकृत है। यहां नियमानुसार अनुसूचित जनजाति वर्ग, अनुसूचित जाति वर्ग तथा पिछड़ा वर्ग के युवाओं और महिलाओं के लिए सीट आरक्षित है। इनमें संघ लोक सेवा द्वारा आयोजित प्रीलिम्स परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाले युवाओं को मुख्य परीक्षा की तैयारी के लिए प्रोत्साहित करने आदिम जाति विकास विभाग द्वारा एक लाख रूपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। इस योजना के तहत अब तक 129 अभ्यर्थी विभिन्न पदों पर चयनित हुए हैं। मंत्री श्री नेताम ने ऐसे जिला मुख्यालय जहां महाविद्यालय हैं, वहां कन्या छात्रावास खोलने की भी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के आश्रम-छात्रावासों, प्रयास स्कूलों और एकलव्य संस्थानों में सुविधाएं विकसित कर उन्हें देश में मॉडल के रूप में स्थापित किया जाएगा। इसी प्रकार आश्रम-छात्रावासों में सीटों में वृद्धि, उन्नयन और भवन के कार्य प्राथमिकता से किए जाने की घोषणा की है।

आदिम जाति मंत्री श्री नेताम ने विधानसभा बजट सत्र के दौरान कहा है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की सरकार गांव, गरीब और किसान परिवारों सहित वंचित वर्गों के निरंतर विकास को प्राथमिकता में लेकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग सहित कमजोर वर्गों के युवाओं को उच्च शिक्षा प्रदान करने तथा उन्हें उच्च पद पर नियोजित करने के उद्देश्य से प्रयास आवासीय विद्यालय, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के परीक्षाओं तैयारी के लिए कोचिंग की व्यवस्था तथा यूपीएससी के तैयारी के लिए देश की राजधानी में यूथ हॉस्टल का संचालन किया जा रहा है।

आम जनता की तरह लाइन में लग कर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मिलने पहुंची भाजपा पार्षद

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने हर गुरुवार को रायपुर में सीएम जनदर्शन लगाने की शुरुआत की है। जिसके तहत विगत गुरुवार को उनके जनदर्शन का दूसरा गुरुवार है। इस मौके पर सीएम साय मुख्यमंत्री निवास में लोगों की समस्या सुन रहे हैं। साथ ही मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नोनी-बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना के अंतर्गत 13 बच्चों को चेक वितरित किया गया है। इस राशि में एक लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि और स्कूटी खरीदने एक लाख रूपए की राशि शामिल है। आम लोगों की समस्याओं का निराकरण करने के सीएम साय का दूसरा जनदर्शन कार्यक्रम सफल रहा।

जनदर्शन के दौरान एक तस्वीर सामने आई जहा भाजपा पार्षद भी लाइन में खड़ी दिखी। रायपुर के वॉर्ड क्रमांक 65 की भाजपा पार्षद सरिता वर्मा आम जनता के बीच सीएम साय से मिलने का लिया पहुंची। दैनिक विश्व परिवार समाचार पत्र से ख़ास बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि वार्ड की जनता की समस्याओं के निराकरण के लिए आई हैं। जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंची भाजपा पार्षद सरिता वर्मा ने समस्याओं का उल्लेख करते हुए बताया कि बारीश का मौसम आ चुका है। उनके वार्ड से 10 बड़े नाले शहर के जुड़े हुए हैं, जिनकी सही व्यवस्था के लिए वह पहुंची हैं। आगे उन्होंने बताया कि बारिश के समय वार्ड में रह रही जनता के घरों में पानी घुस जाता है, जिसकी वजह से उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

मुख्यमंत्री साय ने अपनी माताजी के नाम रोपा दहीमन का पौधा

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निवास कार्यालय में आज दूसरे सप्ताह के जनदर्शन कार्यक्रम में नागरिकों में जबरदस्त उत्साह रहा। मुख्यमंत्री श्री साय से मुलाकात करने और अपने आग्रह-अनुरोध उन्हें प्रत्यक्ष सौंपने के लिए प्रदेशभर से बड़ी संख्या में लोग आए। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने श्रमवीरों के मेधावी बच्चों को दो-दो लाख रूपए के चेक भी प्रदान किए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अपने निवास कार्यालय परिसर में अपनी मां के नाम दहीमन का पौधा लगाया। जनदर्शन स्थल के पास स्वास्थ्य परीक्षण शिविर भी लगाया गया था, जिसका नागरिकों ने लाभ उठाया।

सुहिणी सोच संस्था द्वारा महिलाओं के स्वास्थ्य पर विशेष कार्यशाला का आयोजन

स्तन कैंसर गर्भाशय कैंसर के खतरे को कम करने के लिए हरी सब्जियां, दाले, ताजे फल, पोष्टिक भोजन ले : डॉ. विजय

रायपुर (विश्व परिवार)। सुहिणी सोच संस्था द्वारा वृंदावन हॉल, सिविल लाइन रायपुर में महिलाओं के लिए सखी स्वास्थ्य एवम् सावन तंबोला卐 कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था।कार्यक्रम की शुरुआत गायत्री मंत्र से की गई।तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत एवम् सम्मान हुआ। कार्यक्रम में ज्ञानवर्धक प्रश्नोत्तरी एवम् अंताक्षरी पर सभी महिलाओं ने भाग लिया और खूब आनंद लिया।

संस्था की संस्थापक मनीषा तारवानी एवं अध्यक्ष दीक्षा बुधवानी ने बताया कि इस कार्यक्रम के ट्रेनर मातृत्व प्रसूति एवम् स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. विजय डेंबरा ने बालिकाओं और महिलाओं के किशोरावस्था से लेकर प्रोढ़ावस्था में आने वाली शारीरिक और मानसिक समस्याओं जैसे मासिक धर्म, मेनोपॉज, हार्मोनल असंतुलन के लक्षण बताए साथ ही मासिक धर्म के समय होने वाले दर्द को कम करने की लिए अधिक पानी पीने, गर्म पानी की सिकाई करने एवम् मेडिटेशन की सलाह दी, साथ ही नमक, शक्कर, तेल कम उपयोग कर, संतुलित आहार लेने की सलाह दी। उन्होंने कहा हर महिला को अपनी मासिक धर्म की जानकारी के लिए एक डायरी रखना अति आवश्यक है, जिससे भविष्य में किसी भी प्रकार की समस्या होने पर उसका पता लगाया जा सके। स्तन कैंसर, गर्भाशय कैंसर आदि की जानकारी देते हुए बताया कि कैंसर के खतरे को कम करने के लिए हरी सब्जियां, दाले, ताजे फल, पोष्टिक भोजन लेना चाहिए स्वस्थ वजन बनाए रखने के लिए नियमित व्यायाम करना अति आवश्यक बताया।साथ ही कैंसर के खतरे को कम करने के लिए एचपीवी वैक्सीन की जानकारी दी। अतिथि डॉ. सौम्या रघुबीर जी ने इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा, कि महिलाओं के स्वास्थ्य हेतु ऐसे कार्यशालाओ के आयोजन अति महत्वपूर्ण है। प्रशिक्षित योग प्रशिक्षिका एवम् प्रशिक्षित नेचिरोपैथिस्ट सुरुचि टावरी जी ने योग एवम् प्राकृतिक चिकित्सा के द्वारा महिलाओं में होने वाली मासिक धर्म संबंधी समस्याओं का निवारण बताया, साथ ही योग से होने वाले अनगिनत फायदे बताए।

इस प्रोग्राम की डायरेक्टर माही बुलानी जी, जूही दरयानी जी एवम् पल्लवी चिमनानी जी ने बताया कि इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य के साथ - साथ मनोरंजन के लिए सावन तंबोला एवम् ढेरों आकर्षक उपहारों की भी व्यवस्था की गई। जिसमे विजेता रहे डॉ. विजय डेंब्रा जी एवम् सोनिया गंगवानी साथ ही अन्य सभी विजेताओं ने उपहार प्राप्त किया। इस कार्यक्रम में संस्था के मार्गदर्शक सीए चेतन तारवानी भी उपस्थित हुए, साथ ही संस्था के सभी सदस्यों सहित अन्य महिलाएं व किशोरी बालिकाओं ने उपस्थित होकर इसका लाभ लिया। कार्यक्रम की समाप्ति सुहिणी सोच संस्था की सचिव पूनम बजाज द्वारा की गई।

नया रायपुर में बाईक स्टंट करने वाले युवक पर कार्यवाही

रायपुर (आरएनएस)। रायपुर यातायात पुलिस ने नया रायपुर की सड़कों में लापरवाही पूर्वक खतरनाक ढंग से बाईक स्टंट करने वाले गैंग के मुखिया को पकड़ा है तथा वाहन जब्त कर उसके खिलाफ मोटर यान अधिनियम के तहत कार्यवाही की है।

दैनिक विश्व परिवार से जुड़ें...

छत्तीसगढ़ के सबसे विश्वसनीय दैनिक समाचार पत्र एवं वेबसाइट **''दैनिक विश्व परिवार''** से जुड़े और पाए अपनी खबरों को प्रकाशित कराने अवसर।

''दैनिक विश्व परिवार'' दे रहा है सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में युवा एवं प्रतिभावान पत्रकारों को मौका अपने जिले की हर खबर को प्रमुखता से प्रकाशित कराने का अवसर।

साथ ही छत्तीसगढ़ के समस्त जिले, विधानसभा, ब्लॉक स्तर पर रिपोर्टरों और विज्ञापन प्रतिनिधि की आवश्यकता है। अपनी खबरों को **''दैनिक विश्व परिवार''** के माध्यम से जनता तक पहुंचाए। हमसे जुड़ने के लिए निचे दिए गए नंबर पर करे अपनी खबरे साजा।

सम्पर्क : 99810-93065, 62662-63552

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354